दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 215 | ग्वालियर शुक्रवार, 26 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

इंदौर में आपत्तिजनक पर्चे बांटने के मामले में नरोत्तम मिश्रा ने दिए कार्रवाई के निर्देश

बजरंग दल के खिलाफ बांटे गए पर्चे के मामले में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि धारा 153 के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होने कहा कि वो निर्देश दे रहे हैं कि सीसीटीवी फुटेज देखकर इस मामले में आरोपियों की पहचान की जाए।बता दें कि इंदौर के मुस्लिम बहुल इलाके में कुछ पर्चे बांटे गए थे जिनमें लिखा गया कि आरएसएस और बजरंग दल द्वारा मुस्लिम लड़कियों को फंसाकर धर्मांतरण की कोशिश की जा रही है। इसके बाद कुछ हिंदू संगठनों ने इन पर्चों की बाबत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गृहमंत्री ने कहा कि कि इस मामले में कल ही उपद्रव फैलाने के लिए धारा 153 के तहत कार्रवाई की गई है। इसी के साथ पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि उस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएं। उस आधार पर पर्चे बांटने वालों की पहचान कर उनपर कार्रवाई की जाएगी। उन्होने कहा कि शांति भंग करने वालों और भ्रम के माध्यम से भय फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।वहीं बागेश्वर महाराज को सुरक्षा देने के मुद्दे पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि 'नागपुर और बिहार में जिस प्रकार जी महाराज का विरोध हुआ उसको देखते हुए उन्हे सुरक्षा दी गई है। वो एक ब? संत हैं और उन्हें सुरक्षा देना हमारा दायित्व है इसीलिए उन्हें वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है।' वहीं दिग्विजय सिंह द्वारा बजरंग दल को गुंडा कहने पर तंज कसते हुए गृहमंत्री ने कहा कि उन्हें बजरंग दल गुंडा नजर आएगा लेकिन पीएफआई गुंडा नजर नहीं आएगा, उन्हें जाकिर नाइक शांतिदूत लगेगा। यह सभी लोग उन्हें सज्जन लगते हैं और राष्ट्रवादी दल उन्हें गुंडा नजर आते हैं।

मशहूर शायर मुनव्वर राणा की हालत नाजुक, लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा

मशहूर शायर मुनव्वर राणा की तबितय गंभीर रूप से खराब है। उन्हें लखनऊ में अपोलो अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। उनकी बेटी सुमैया ने जानकारी दी कि उनकी तबियत काफी दिनों से खराब चल रही थी। पिछले हफ्ते अपोलो अस्पताल में ही उनके पित्ताशय का ऑपरेशन हुआ था लेकिन इसके बाद उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई। फिलहाल उन्हें लाइप सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है।उनकी तबियत खराब होने की खबर आते ही उर्दू अदब और साहित्यिक दुनिया में लोग उनके ठीक होने की दुआ मांग रहे हैं। अपने चहेते शायर के ठीक होने के लिए कई लोग भी प्रार्थना कर रहे हैं। वो उर्दू शायरी में एक मकबूल नाम हैं और उनके कई शेर काफी मशहूर हुए हैं। आइये पढ़ते हैं उनके ये कुछ मशहूर शेर और मिलकर उनके जल्द सेहतमंद होने की दुआ करते हैं।

मशहूर पाकिस्तानी लेखक तारिक फतह का हुआ निधन, बेटी ने ट्वीट कर दी जानकारी

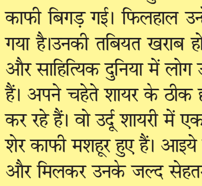

पाकिस्तान के मशहूर लेखक और पत्रकार तारिक़ फ़तह का लंबी बीमारी के बाद आज निधन हो गया। तारिक फतेह की बेटी नताशा फतेह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। तारेक फतह की बेटी ने अपने पिता के निधन पर ट्वीट किया, 'पंजाब का शेर। भारत का बेटा। कनाडा का प्रेमी। सच बोलने वाला। न्याय के लिए लड़ने वाला। शोषितों और वंचितों की आवाज तारेक फतह ने अपनी मुहिम आगे बढ़ा दी है। उनकी क्रांति उन सभी के साथ जारी रहेगी जो उन्हें जानते और प्यार करते थे।बता दें कि तारिक ?तह बीते कई दिनों से कैंसर की बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती थे। आज 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

ये शख्स एक साथ कर रहा था दो सरकारी नौकरी, 8 साल बाद हुआ खुलासा

जो लोग नौकरीपेशा हैं वो जानते हैं कि समय कितना अहम होता है। नौकरी में रहते दुनियादारी के बाकी कामकाज भी निपटाने होते हैं और ऐसे में खुद के लिए समय ही नहीं निकल पाता। हालत ये है कि कई बार लोगों को सोने के लिए वक्त नहीं मिल पाता। वहीं दूसरी तरफ जिनके पास नौकरी नहीं है, वो चाहते हैं कि बस किसी तरह नौकरी लग जाए तो जीवन ढर्रे पर आए। लेकिन कई बार कुछ लोग ऐसे होते हैं जो इन दोनों ही कैटेगरी में नहीं आते।ये खबर है उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से..यहां तारकेश्वर सिंह नाम का एक शख्स पिछले 8 साल से दो सरकारी विभागों में काम कर रहा था। बिजली निगम के कैंपियरगंज वितरण खंड क्षेत्र के सोनौरा बुजुर्ग गांव का रहने वाला तारकेश्वर सिंह बिजली विभाग में संविदा पर लाइनमैन था। वहीं रात में वो होमगार्ड की नौकरी पर लगा जाता। ऐसा कर वो पिछले आठ साल से दो सरकारी विभागों की आंख में धूल झोंक रहा था।

कमलनाथ ने शिवराज सरकार को घेरा

'चौपट राजा, चौपट सरकार, चौपट मध्य प्रदेश'

कमलनाथ ने एक बार फिर बीजेपी और शिवराज सिंह चौहान पर जमकर हमला बोला है। बालाघाट जिले के परसवाड़ा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि मध्यप्रदेश में सब खस्ताहाल है। हर वर्ग परेशान है..चौपट राज, चौपट सरकार और चौपट मध्य प्रदेश ये हालिया तस्वीर है। उन्होने कहा कि अब जनता समझ रही है कि उनके साथ कितना बड़ा धोखा हुआ है और बीजेपी जितना भी प्रलोभन दे, अब लोगों पर उसका कोई असर नहीं होने वाला है।कमलनाथ ने कहा कि 'आज प्रदेश में किसान, नौजवान और छोटा व्यापारी सब परेशान है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रलोभन देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। 18 साल इनको बहनें, किसान, नौजवान याद नहीं आएं और चुनाव के पांच महीने पहले अपना पाप धोने के लिए ये सब घोषणाएं की जा रही है। लेकिन मुझे मध्य प्रदेश के मतदाताओं पर पूरा विश्वास है कि वो इसका भविष्य सुरक्षित रखेंगे।' उन्होने कहा कि ये चुनाव केवल विकास का नहीं है बल्कि इस चुनाव से ये मुद्दा भी जुड़ा हुआ है कि हम प्रदेश को किस पटरी पर ले जाना चाहता हैं, इसका कैसा भविष्य चाहते हैं। उन्होने कहा कि पेसा कानून की शुरुआत में ही घोटाला शुरु हो गया

है और बीजेपी इसका सिर्फ राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है, वो आदिवासियों के हित में काम नहीं कर रही।कर्नाटक चुनाव और वहां बजरंग दल को बैन करने के सवाल पर पीसीसी चीफ ने कहा कि 'सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी नफरत या सामाजिक विवाद फैलाने वाले संस्था या व्यक्ति पर कार्रवाई होनी चाहिए। यही हम भी कहते हैं। हमारा कोई टार्गेट नहीं है। फिर बजरंग दल वाले गिल्टी क्यों फील करते हैं कि ये हमारे लिए हैं। अगर वो ये सब नहीं कर रहे हैं तो उन्हें गिल्टी नहीं फील होना चाहिए।' वहीं उन्होने कहा कि मध्य प्रदेश को सही रास्ते पर ले जाने के लिए एक विजन की जरुरत है, ये टेलीविजन से नहीं होता। शिवराज जी सिर्फ नाटक नौटंकी कर सोचते हैं कि प्रदेश सुधर जाएगा। लेकिन मुंह चलाने और प्रदेश चलाने में अंतर है। उन्होने कहा कि हमारा मुकाबला सिर्फ भारतीय जनता पार्टी से नहीं है, बल्कि हमारा मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के संगठन से है। वहीं उन्होने कहा कि नारी सम्मान योजना को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और जनता को उनपर विश्वास है। उन्होने कहा कि इस चुनाव में 'विश्वास' एक बड़ा मुद्दा होगा और जनता को उनपर विश्वास है ये वो जानते हैं। वहीं प्रदीप जायसवाल की कांग्रेस में वापसी के मुद्दे पर उन्होने कहा कि इसका प्रश्न ही नहीं उठता है।

नरोत्तम मिश्रा ने बच्चों को दी बधाई, असफल छात्रों को कही ये महत्वपूर्ण बात

आज एमपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट आ गए हैं। स्कूली शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने एमपी बोर्ड के ऑफिस से रिजल्ट जारी किए। इस रिजल्ट को एमपी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट द्वश्चड्ढह्यद्ध.ठ्ठद्ब.द्बठ्ठ पर भी देखा जा सकता है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने परिणामों में सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है और कहा है कि अगर कोई इन परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण हुआ है तो भी निराश होने की जरुरत नहीं है।परीक्षा का रिजल्ट बच्चे के लिए ही नहीं..माता पिता और पूरे परिवार के लिए जैसे परीक्षा की ही घड़ी होती है। खासकर अगर बोर्ड एक्जाम हो तो मामला और गंभीर हो जाता है। ऐसे में वो बच्चें जो टॉप करते हैं या

अच्छे नंबर लाते हैं या पास हो जाते हैं उनके लिए तो ये खुशखबरी है। लेकिन कई बार जो बच्चे परीक्षा में असफल हो जाते हैं, वो गहरी निराशा में डूब जाते हैं। रिजल्ट्स के बाद हमने कई बार ऐसी दुखद घटनाएं भी सुनी है जहां बच्चों ने खुद को नुकसान पहुंचा लिया। इसीलिए उन्हें ये भरोसा दिलाना जरुरी है कि ये सिर्फ एक परीक्षा थी..और जीवन यहीं खत्म नहीं होता है।गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सभी सफल बच्चों को बधाई दी है। लेकिन उन्होन ये भी कहा है कि किसी कारण से अगर कोई पास नहीं हुआ है तो निराश होने की जरुरत नहीं है। ये पड़ाव हो सकता है..मंजिल नहीं। फिर तैयारी के साथ कोशिश कीजिए और सरकार भी सभी बच्चों के भविष्य की चिंता करेगी।

पीएम मोदी ने उत्तराखंड को दिया पहली वंदे भारत ट्रेन का तोहफा, ष्टरू धामी दून रेलवे स्टेशन पर रहें मौजूद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड को आज एक बड़ी सौगात देने के लिए दिल्ली और देहरादून के बीच पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को शुरू किया। यह ट्रेन एक महत्वपूर्ण परिवहन माध्यम होगी और उत्तराखंड के लोगों के लिए यात्रा करने के लिए बड़ी सुविधाएं प्रदान करेगी। जिसका उद्घाटन सुबह 11 बजे दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए और ट्रेन का उद्घाटन किया।उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दून रेलवे स्टेशन पर मौजूद रहें जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहारनपुर जंक्शन पर उपस्थित रहें। बता दें कि वंदे भारत एक्सप्रेस गुरुवार को दोपहर 1 बजे दिल्ली आनंद विहार स्टेशन से देहरादून के लिए रवाना होगी और शाम 5ः25 बजे देहरादून पहुंचेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के लिए ये क्या कह गए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

ग्वालियर। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा बजरंग दल को गुंडों की जमात कहे जाने वाले बयान पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पलटवार किया है, उन्होंने कहा कि ये उनकी व्यक्तिगत सोच है, ये बयान उनके मासिक दिवालियेपन का संकेत है।चुनावी साल में नेताओं के बीच बयानबाजी का युद्ध भी तेज हो गया है। कर्नाटक चुनावों में बजरंग दल पर बैन लगाने का वादा करने के बाद जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस पर इसे बैन

करने की दबाव बनने लगा है, उधर मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के उस बयान पर भी भाजपा की प्रतिक्रिया सामने आई है जिसमें उन्होंने बजरंग दाल को गुंडों की जमात कहा था।ग्वालियर में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मीडिया के इसी सवाल पर दिग्विजय सिंह पर पलटवार किया , ऊर्जा मंत्री ने कहा कि ये दिग्विजय सिंह की व्यक्तिगत सोच हो सकती है , वैसे मैं इसपर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता लेकिन ऐसा कहना उनके मानसिक दिवालियेपन के संकेत भी हैं।

शुक्रवार को सक्रिय होगा नया सिस्टम, बदलेगा मौसम, 35 जिलों में बारिश की चेतावनी, आंधी-तेज हवा, आई एम डी पूर्वानुमान

बार बार सक्रिय हो रहे वेदर सिस्टमों के चलते मध्यप्रदेश में मई अंत तक बादल छाने के साथ बारिश और तेज हवा के आसार है। वही 50 से 60 द्मद्व प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इधर, आज गुरूवार से नौतपा 25 शुरू हो रहा है, ऐसे में नौतपा की शुरुआत में भी आंधी-बारिश होने का अनुमान है।आज गुरूवार को भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में कहीं-कहीं बारिश के संकेत है। वहीं शुक्रवार को नया वेदर सिस्टम एक्टिव होने वाला

है, जिससे बारिश की गतिविधियों में तेजी आएगी।एमपी मौसम विभाग के मुताबिक, ग्वालियर-चंबल संभाग में 26 मई तक बादल छाने के साथ तेज हवा और बारिश के आसार है। भोपाल में 25-26 मई को तेज बारिश और 50द्मद्व प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। वही 27 मई को भी कहीं बादल छाएंगे तो कहीं बारिश होगी। इंदौर में दोपहर बाद बादल छाने के बाद शाम को हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। दिन का पारा 38 डिग्री के आसपास ही रहेगा। 29 मई के बाद ही तापमान में वृद्धि देखने को मिलेगी। जबलपुर में 26 मई तक बादल छाने, तेज हवा के साथ बूंदाबांदी हो सकती है।

कूनो नेशनल पार्क बना चीतों की कब्रगाह, दो माह में 6 की मौत, आज फिर 2 शावकों ने दम तोड़ा

राजनीति अब बेजुबान जानवरों को भी नहीं बख्श रही..कूनो नेशनल पार्क में फिर दो चीता शावकों की मौत हो गई है। आज मादा चीता 'ज्वाला' के दो और शावकों की जान चली गई। इससे पहले मंगलवार को उसके एक शावक ने दम तोड़ा था। वहीं चौथे शावक की हालत भी गंभीर बनी हुई है। इसी के साथ पिछले दो महीने में 6 चीतों की मौत हो गई है जिनमें तीन वयस्क और तीन शावक शामिल हैं। सबसे पहले 26 मार्च को मादा चीता 'साशा' की मौत हुई। फिर 23 अप्रैल को चीता 'उदय', 9 मई मादा चीता 'दक्षा', 23 मई को ज्वाला के एक शावक और 25 मई को ज्वाला चीता के दो और शावकों की मौत हो गई।

नई संसद पर विपक्ष का हाहाकार, बीजेपी का पलटवार, संबित पात्रा ने जारी किया ट्विटर थ्रेड, पूछे कई सवाल

पूरा

बीजेपी और एनडीए का कहना है यह कोई पहली बार नहीं जब विपक्ष ने लोकतंत्र का अपमान किया है, पिछले 9 28 मई को हो रहे नई सांसद भवन की बिल्डिंग के उद्घाटन को लेकर सब ओर हाहाकार मचा हुआ है। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर हर कोई अपने तर्क रख रहा है। कोई इस उद्घाटन को लेकर उत्साहित है तो कोई इस जमकर विरोध कर रहा है। वही विपक्ष के 19 दलों ने भी इससे किनारा कर लिया है।कांग्रेस पार्टी की अगुवाई में विपक्ष के 19 दलों ने नए भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार पत्र जारी किया है। इन सभी दलों की दलील है

कि ÷जब लोकतंत्र की आत्मा को नई संसद से निष्कासित कर दिया गया है, तो हमें नई इमारत में कोई मूल्य नहीं दिखता।आपको बता दें बहिष्कार का मुद्दा शुरू हुआ जब सभी को इस बात की जानकारी मिली कि नए भवन का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना है। इस पर विपक्ष का कहना था कि यह उद्घाटन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं, क्यूंकि लोकतंत्र के हिसाब से यह उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए। अपनी बात को मजबूती देने के लिए विपक्ष ने संविधान का सहारा लेकर कई दलीलें भी पेश की और बीजेपी के साथ पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए बहिष्कार का पत्र जारी किया

लाखों कर्मचारियों को तोहफा, बकाया की किस्त जारी, 6 की दर से मिलेगी राशि, जून में खाते में बढ़कर आएगी

राज्य सरकार ने कर्मचारियों को 1 जुलाई 2015 से के बकाया छह फीसदी डीए की पहली किस्त जारी कर दी है, जिसके बाद डीए 113 प्रतिशत से बढ़ाकर 119 प्रतिशत हो गया है । इस संबंध में वित्त विभाग ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से फाइल क्लियर करने के बाद आदेश जारी कर दिया है।पंजाब के सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। राज्य की भगवंत मान सरकार ने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है।राज्य सरकार ने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते के बकाए की पहली किश्त जारी कर दी है।इसके तहत कर्मचारियों को छह फीसदी की दर से राशि मिलेगी ।इसका आदेश वित्त विभाग ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से फाइल क्लियर करने के बाद जारी कर दिया है।6 फीसदी डीए की किस्त-दरअसल, राज्य सरकार ने 1 जुलाई 2015 से 31 दिसंबर 2015 तक 6त्र की दर से महंगाई भत्ते के बकाया की देय राशि को बढ़ाकर 356 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी गई है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने इस संबंध में ट्वीट कर जानकारी दी और लिखा है हम जो कहते हैं वो करते हैं। उक्त समय सीमा में 6 प्रतिशत की दर के साथ बड़े हुए महंगाई भत्ते की बकाया बनती राशि 356 करोड़ रुपए है। इस धनराशि को पंजाब सरकार द्वारा मंजूरी प्रदान कर दी

गई है।अभी कर्मचारियों को 119 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है, जो इस फैसले के बाद बढ़कर 125 फीसदी हो जाएगा। इसका लाभ राज्य के उक्त समय सीमा तक सेवा में रहे करीब सा? 4 लाख कर्मचारियों को मिलेगा। इनमें उक्त समय सीमा तक सेवा में रहे कर्मचारियों समेत सेवानिवृत कर्मचारी भी शामिल रहेंगे। यह किस्त दिए जाने के बाद भी राज्य सरकार की तरफ चार-चार प्रतिशत महंगाई भत्ते की दो किस्तें बकाया रह जाएंगी।बता दे कि पंजाब के रिटायर्ड इम्पलॉई एसोसिएशन ने पंजाब की पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा उचित दर से ष्ठ नहीं देने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को 8त्र की दर से ष्ठ देने के निर्देश दिए थे। लेकिन न तो पूर्व कांग्रेस सरकार ने इस दर जारी किया और न ही अब मान सरकार द्वारा इसे जारी किया गया है। अब 8 साल पुराना यह ष्ठ हाई कोर्ट के आदेश पर दिया गया है। राज्य सरकार ने जनवरी 2023 में हाईकोर्ट को आश्वासन दिया था कि सरकार तीन महीनों में डीए की किश्त जारी कर देगी।महंगाई भत्ते का कैलकुलेशन डीए का मौजूदा रेट और बेसिक सैलरी में गुणा के आधार पर महंगाई भत्ते की रकम निकाली जाती है। मान लीजिए आपकी बेसिक सैलरी 29 हजार रुपये है और डीए 42 फीसदी है तो आपका डीए फॉर्मूला (42× 29200)/100 होगा।

विष्णु सिंह भदौरिया ने 87.3 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होकर अपने विद्यालय मे प्रथम स्थान किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। कु. विष्णु सिंह भदौरिया पुत्र श्री रिपुदमन सिंह भदौरिया माताजी श्रीमती रश्मि रिपुदमन भदौरिया निवासी सुकलपुरा तह अटेर जिला भिंड आज घोषित कक्षा 8 ह्वद्ध परिणाम माध्यमिक परीक्षा मध्यप्रदेश बोर्ड भोपाल मे विष्णु सिंह भदौरिया ने 87.3 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होकर अपने विद्यालय मे प्रथम स्थान किया है संस्कार पब्लिक स्कूल आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है क्षात्र विष्णु सिंह भदौरिया के दादाजी श्री गर सिंह भदौरिया हवेली ग?ी जमींदार परिवार से है विष्णु सिंह भदौरिया के चाचा अरिमर्दन सिंह भदौरिया ग्राम पंचायत शुक्लापुरा के पूर्व मे सरपंच रह चुके है सभी परिवार की तरफ से विष्णु सिंह भदौरिया को बहुत बहुत बधाई शुभकामनायें

सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के द्वारा 10 दिवसीय लघु व्यक्तित्व विकास शिविर सर्वा में हुआ

सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के द्वारा सर्वा में 10 दिवसीय लघु व्यक्तित्व विकास शिविर के समापन में आदर्श ग्राम योजना के प्रमुख श्री प्रमोद आचार्य जी एवं श्री निशांत जी एवं पूर्व सरपंच जनवेद तोमर ने दीप प्रज्वलन कर उपस्थित शिविर में उपस्थित बच्चों को ग्रामवासी एवं ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि गांव के विकास में गांव के ही जनमानस का महत्वपूर्ण योगदान है जब समाज का परिवर्तन में प्रत्येक व्यक्ति का भागीदारी नहीं होगी तब तक समाज का विकास संभव नहीं है समाज के विकास में से एक व्यक्ति को स्वयं पहल करके इस विकास की गंगा में आगे आना होगा 10 दिवसीय शिविर में बच्चों ने गीत पीटी योगा क्राफ्टिंग डांसिंग डायरी लेखन स्पीच खेल आज विषयों पर एवं विशेषज्ञों के द्वारा सत्र छात्रों में अच्छे स्वास्थ्य लाभ सुरक्षा हैंडराइटिंग पत्रकारिता एवं अन्य विषयों पर विशेष सत्र हुए समापन कार्यक्रम में मैं बच्चों के द्वारा मनमोहक प्रदर्शनी दिया गया जिसमें क्राफ्टिंग डांसिंग स्पीच आदि सम्मिलित रहे एवं सभी बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया कार्यक्रम में राकेश सिंह तोमर नरसिंह सिंह तोमर आकाश सिंह एवं सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे

बीमारी की हालत में दी परीक्षा, 84.11 रैंक के साथ हासिल की शानदार सफलता

पटेल आस्था जतिनभाई ने साबित कर दिया कि मजबूत मनोबल का कोई विकल्प नहीं है

निल कुमार, ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

गुजरात। पाटन की रहने वाली और गांव जसलपुर की आस्थाबेन ने बीमारी की हालत में 10वीं की परीक्षा देने के बावजूद मजबूत और दृढ़ संकल्प के साथ सफलता हासिल की। 10वीं की परीक्षा शुरू होते ही पेट की बीमारी भी शुरू हो गई और पाटन के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, बार-बार उल्टी और बुखार होने के बावजूद उसने बड़ी हिम्मत से 10वीं की परीक्षा दी, बार-बार परीक्षा के प्रश्नपत्रके दौरान भी उल्टी होने के कारण कम समयमे सारे प्रश्न पत्र लिख पाने के बावजूद आज का दिन परिवार के लिए यादगार रहा क्योंकि उसका रिजल्ट अच्छा आया। हमारे संवाददाता से बातचीत में आस्थाबेन ने बताया कि बार-बार बीमार पड़ने और अस्पताल में दवा चालु होने के बावजूद मैंने हिम्मत नहीं हारी और साहस के साथ सारे प्रश्नपत्र दिए और इस तरह 10वीं की परीक्षा पास की। आज मैं पास हो गयी हूं जिससे मैं बहुत खुश हूं और भविष्य में कंप्यूटर इंजीनियर बननेका सपना हे।

पिचावा में श्री आई माताजी मंदिर पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ समापन

जयकारों के बीच हुई प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा

पुष्पाजंली टुडे द्रुनारायणलाल सेंणचा

पाली ‑पिचावा में श्री आई माताजी मंदिर वडेर का पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बड़े ही धूमधाम सम्पन हुआ।

जिसमें अंतिम दिन दिनाक 22 मई को प्रातः कालीन वेला में धर्मगुरु दीवान माधव सिंह के कर कमलों द्वारा शुभ मुहूर्त में श्री आई माताजी पाट,मूर्ति तथा अखंड ज्योति की स्थापना की गई तथा विभिन्न बोलियों के लाभार्थियों द्वारा ध्वजा,कलश की स्थापना की गई।। इसके बाद धर्मगुरु दीवान साहब द्वारा धर्म सभा का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने समाज के बंधुओं को धर्म के साथ-साथ शिक्षा पर जोर देने के लिए कहा, शिक्षा इसमें भी बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया की शिक्षित समाज ही विकसित समाज हो सकता है।साथ ही युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। इसके बाद विभिन्न वडेरो से पधारे हुए पदाधिकारियों,जमादारो, कोटवालो का साफा, माला व मोमेंटो देकर स्वागत सत्कार किया गया। समारोह में पाली सांसद पी पी चौधरी साहब, भंवरलाल ,सुरेश ,प्रकाश , विजय मरुधर, भूराराम , सहित समाज के अनेक गणमान्य बंधुओं ने भाग लिया।।

पाल बघेल महासभा ने लोकमाता अहिल्याबाई की जयंती मनाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रौन । लोकमाता पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की 298 वीं जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय पाल बघेल धनगर महासभा द्वारा लोकमाता अहिल्यावाई की जयंती ब? धूम धाम से रौन नगर में मनाई मनाई गयी 7 कार्यक्रम का आरंभ सभी अतिथिगणो ने देवी अहिल्याबाई होल्कर के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया । मुख्य अतिथि नंदराम बघेल जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर देवी के जीवनगाथा पर प्रकाश डाला तथा समस्त सामाजिक बन्धुओ और अतिथियों ने अपने अपने विचारों समाज हित में रखें 7 इस अवसर पर प्रोफेसर सौरभ बघेल प्रदेश सचिव विकलांग बल ने पाल बघेल समाज के युवाओं से धूम्रपान मदिरापान नशा से दूर रहकर अच्छी शिक्षा को प्राप्त करने का अग्रह किया 7 कार्यक्रम के संचालक दल सिंह बघेल ने कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथि जन को देवी अहिल्याबाई होल्कर का छायाचित्र स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे मुख्य अतिथि नंदराम बघेल जिला पंचायत उपाध्यक्ष भिंड, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सरोज रामकृष्ण बघेल जनपद अध्यक्ष भिण्ड % मेवा लाल बघेल नगर परिषद उपाध्यक्ष रौन अवधेश बघेल मंडल अध्यक्ष सुनील बघेल प्रदेश प्रभारी,अध्यक्षता श्रीमती रिंकी -राजू बघेल अध्यक्ष नगर परिषद रौन,सुखदीन बघेल पूर्व सरपंच, राजवीर बघेल जिला पंचायत सदस्य,मंच संचालन गणेश बघेल पूर्व सरपंच, प्रताप बघेल पूर्व जनपद अध्यक्ष रौन, प्रोफेसर सौरभ बघेल प्रदेश सचिव ,सोनवीर बघेल समाज सेवी,कंछेदी लाल बघेल समाज सेवी मुखिया यादव सरपंच ,आसाराम बघेल, अनंतराम बघेल साहब सिंह बघेल, डॉ मोहर सिंह, कमलेश बघेल शिक्षक,रामप्रकाश बघेल शिक्षक , मेजर सिंह,फुल सिंह बघेल आदि।

ग्राम नालीपुरा में भागवत कथा में वामन भगवान का आगवन हुआ भक्तो ने की जमकर पैर पुजाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले के ग्राम नालीपुरा में ग्राम वासियों के द्वारा कारश देव बाबा के स्थान पर की जा रही भागवत कथा का वाचन पंडित मधुर कृष्ण शास्त्री जी के द्वारा किया जा रहा है। आज कथा का चौथा दिन था कथा में भगवान वामन जी का आगवन हुआ वामन भगवान के भक्तो ने भारी संख्या में दर्शन किए और भगवान के दर्शन और पैर पूजाई की बावन भगवान के भक्तो को देखकर ऐसा लग रहा था मानो की सच मुच में भगवान ने अवतार ले लिया हो कथा में भगवान श्री कृष्ण जी का भी जन्म हुआ बावन भगवान के रुप में सतीश यादव का बच्चा वंशु यादव गुर्याची श्री कृष्ण के रुप में रजित यादव नालीपुरा का बच्चा कथा वाचक पंडित मधुर कृष्ण शास्त्री मेहधवा आचार्य अवधविहारी कटारे,पड़ति हरिकिशन शर्मा संगीत पर संचालक ओरगन पर बनवारी राघव जी ढोलक पर कामता प्रसाद पैड पर श्रीकान्त और भागवत कथा में सैक?ों की संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

3 जून को आयोजित खाटू श्याम भजन संध्या को लेकर आयोजनकर्ता,भक्तों में भारी उत्साह

भजन संध्या को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू हुई बैठक आयोजित

वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय , रिंकू जायसवाल एवं कार्यक्रम अध्यक्ष सुनील राय ने लिया तैयारियों का जायजा

सीहोर । सीहोर शहर में खाटू श्याम भजन संध्या के आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है इसकी तैयारियों को लेकर आयोजन कर्ता पूरे जी-जान से जुट गए हैं भजन संध्या को लेकर शहर में उत्सव का माहौल देखा जा रहा है जैसे-जैसे भजन संध्या के दिन नजदीक आ रहे हैं वैसे वैसे खाटू श्याम के भक्त काफी उत्साहित देखे जा रहे हैं 7 3 जून दिन शनिवार को आयोजित होने वाले खाटू श्याम के भव्य कीर्तन एवं भजन संध्या को लेकर गुरुवार 25 मई को होटल क्रिसेंट रिसॉर्ट में भव्य बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता शहर के वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय, लोकप्रिय विधायक सुदेश राय एवं राजकुमार जयसवाल (रिंकू) ने की बैठक में शंकर जयसवाल, जितेंद्र वर्मा, पत्रकार प्रदीप चौहान, सुदीप प्रजापति एवं कार्यकर्ता एवं भक्तगण उपस्थित रहे 7 बैठक में काफी संख्या में खाटू श्याम के भक्त गण एवं कार्यकर्ता मौजूद थे इस मौके पर सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने बताया कि भजन संध्या को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए अभी से तैयारियों में जुट जाना चाहिए उन्होंने सुझाव रखे की इत्र वर्षा एवं फूलों की वर्षा से कार्यक्रम स्थल सुगंधित हो जाए खाटू श्याम की ज्योत का सभी लोग दर्शन कर आनंद प्राप्त करें ऐसी व्यवस्था होना चाहिए कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए एवं संपूर्ण व्यवस्था संभालने के लिए कार्यक्रम अध्यक्ष के लिए सुनील राय का नाम चुना गया है कार्यक्रम का भव्य रूप हो इसको लेकर कार्यक्रम अध्यक्ष सुनील राय ने तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं कार्यक्रम अध्यक्ष सुनील राय ने बताया कि भजन संध्या शहर में ऐतिहासिक होगी इसको लेकर भक्तों एवं भजन के श्रोताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है भजन संध्या शहर के लिसा टॉकीज ग्राउंड पर शाम 7ः00 बजे से आयोजित होगी सुनील राय ने आगे बताया कि इसकी तैयारियों को लेकर शहर के टॉकीज सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन द्वारा भी लोगों से भजन संध्या में उपस्थित होने की अपील की जा रही है भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक किशन भगत (उज्जैन), सचिन गुप्ता (सीहोर), एवं भजन गायिका अर्पिता पंडित(इंदौर) खाटू श्याम के भजन कीर्तन का गायन करेंगे सुनील राय ने आगे बताया कि शहर में भजन संध्या को लेकर भारी उत्साह है श्री राय ने कहा कि राय परिवार एवं खाटू श्याम के अनन्य भक्त इस कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं

जागरूक अधिकारी/कर्मचारी संयुक्त समन्वयक कल्याण समिति ने मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। जागरूक अधिकारी/कर्मचारी संयुक्त समन्वयक कल्याण समिति जिला इकाई भिण्ड की एक बैठक जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह कुशवाह के निवास पर आयोजित की गई जिसमें नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उसके बाद जिलास्तरीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी भिण्ड को दिया गया जिसमें निम्नलिखित मांगे मुख्य रही।1- जिले में टेजरी कोड के लिए शेष शिक्षकों के कोट बनायें जाये जिससे तीन माह से वेतन से बंचित साथियों को वेतन भुगतान हो सके। 2- अध्यापक संवर्ग के बहुत से साथियों का शिक्षा विभाग में संविलियन नहीं हो पाया है जिससे संवर्ग के साथियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

3- नवीन भर्ती में आये कुछ साथियों को वेतन भुगतान एवं टेजरी कोड जनरेट नहीं हो पा रहे हैं, क्योंकि विकास खण्ड शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि पद न होने से ने समस्याएं आ रही है। अतः अतिशीघ्र ऐसे शिक्षकों की समस्याएं हल की जाएं।

4- शिक्षकों को निर्वाचन जनगणना के अलावा अन्य कार्यो में न लगाया जाए। अन्य कायों में ड्यूटी लग जाने से शैक्षणिक कार्य प्रभावित होता है। और बच्चों का शैक्षणिक स्तर नहीं बड़ पाता है।

5- कुछ संकुल केन्द्र प्राचार्य द्वारा समय पर वेतन बिल न देने के कारण हर माह वेतन भुगतान में देरी होती है अतः ऐसे संकुल केन्द्र पर

कार्यवाही की जाएं।

6 - संकुल केन्द्रो पर सेवा पुस्तिका संधारण कार्य प्रति वर्ष कराया जाए।

7- संकुल केन्द्र प्राचार्यो द्वारा वर्ष में एकबार एनपीएस कटोत्रा की पासबुक अपडेट कर संबंधित शिक्षक को उपलब्ध कराई जाए जबकि अध्यापक संवर्ग का कटोत्रा वर्ष 2011 से हो रहा है, जबकि संवर्ग के पास कोई लेखा जोखा नहीं है।

8- सातवें वेतनमान के एरियर की चौथी किस्त का भुगतार इसी माह पूरे जिले में किया जाये।बैठक में पूरे जिले से सैकड़ों शिक्षक साथियों की उपस्थिति रही जिसमें मुख्य रूप से राजेश सिंह राजावत, हरेंद्र सिंह, अशोक सिंह यादव, कल्याण सिंह कौरव मिहोना से दीपेन्द्र सिंह कुशवाह, संतोष कुमार सेन,रमाकांत श्रीवास्तव,मुकुल मिश्रा (प्रदेश उपाध्यक्ष),जगत सिंह बघेल, गोहद से कृष्ण पान सिंह गुर्जर, बृजेन्द्र सिंह तोमर खनेता, सुरेन्द्र सिंह गौतम, गणेश बाबू शर्मा, राजू सिंह कुशवाह, संजीव सिंह कुशवाह सुरेन्द्र सगर, राघवेन्द्र सिंह तोमर, विनोद सिंह भदौरिया,मुकुल मिश्रा (प्रदेश उपाध्याक्ष),सन्तोष सिंह भदौरिया, अशोक सिंह चौहान, श्यामलाल, श्रीमती संगीता कुशवाह, श्रीमती ज्योति शाक्य आदि मौजूद रहे।

खरगोन पुलिस की विद्युत मोटर पंप चोरी करने वालो के विरुद्ध ऑपरेशन शिकंजा के तहत बड़ी कार्यवाही

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली

चार थाना क्षेत्रों से मोटर पंप चोरी करने वाले गिरोह पर की गई कार्यवाही

कई दिनों से किसानो के खेत से चोरी हो रहे थे मोटर पंप व विद्धुत केबल

चोरी करने वालो द्वारा कबाडियों को ऊँचे दामो पर बेच दिए जाते थे मोटर पंप व विद्धुत केबल

चोरी करने वाले 04 आरोपियों सहित 02 कबाड़ी गिरफ्तार

चोरी की कुल 78 मोटर पंपों के कापर तार सहित 01 विद्युत मोटर पुलिस द्वारा जप्त

आरोपियों से पूछताछ मे चार थानों की कुल 11 चोरी की घटनाओ का खुलासा

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर ग्रामीण जोन इंदौर श्री राकेश गुप्ता जी एवं उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड़ रेंज खरगोन श्री तिलकसिंह जी व पुलिस अधीक्षक जिला खरगोन श्री धर्मवीर सिंह जी के निर्देशन में किसानो के खेतो से सिंचाई की मोटर पम्प चोरी होने की घटनाओ को देखते हुये उक्त घटनाओ की पतारसी हेतु विशेष अभियान शिकंजा चलाया गया । उक्त अभियान में खरगोन जिले के समस्त थाना प्रभारीयो को किसानो के खेतो से चोरी हो रही विद्युत

मोटर पंप के मामलो में प्रभावी कार्यवाही कर चोरो का पता करने व चोरी गयी मोटर पंप की बरामदगी हेतु निर्देश दिये गये । इसी तारतम्य मे विद्युत मोटर पंप चोरो की सूचना मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मंडलेश्वर श्री मनोहर गवली के नेतृत्व में थाना बलकवा?ा पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण – दिनांक 24-05-23 को थाना बलकवा?ा पर मुखबीर द्वारा सुचना दी गई कि किसानों के खेत एवं नर्मदा नदी तट के आसपास से हो रही विद्धुत मोटरों की चोरी मे संदिग्ध 1.अशोक पिता पदम वास्कले, 2. मुकराम पिता बाबु डावर, 3. बिशन पिता कैलाश डावर, 4. अशोक पिता बाबु डावर जाति भील का हाथ हो सकता है जो कबा?ी सचिन पिता पंढरी सेलवाने तथा श्यामलाल पिता मांगीलाल पटेल की दुकानों पर आए दिन कुछ बेचते हुए नजर आते है । मुखबिर की उक्त सूचना पर से सभी संदिग्धो को पुलिस अभिरक्षा मे लिया व मनोवैज्ञानिक तरीके से पृथक- पृथक सघन पुछताछ की गई तो सभी संदिग्धों द्वारा जुर्म स्वीकार करते हुए किसानों के खेत व नर्मदा नदी के तटों पर से विद्धुत मोटरों को चोरी करना बताया । आरोपीयो द्वारा पूछताछ मे

बताया की ग्राम चिचली मे नर्मदा नदी किनारे से वाटर पम्पो को खोलकर उनमे लगे तांबे के तार काटकर चोरी करना व इसी तरह मलतार से बोराड नदी से वाटर पम्प एंव थाना कसरावद क्षेत्र के आमलाथा, टिगरियांव, मोगावा, रसीदपुरा, खेडी बुजुर्ग, सामेडा, वेदा नदी एंव आस पास कुओ व नहर से एंव थाना बैडीया क्षेत्र के जिरभार ङ्क मर्दाना रोड, शाहपुरा, छाबडिया रोड किसानो के खेत मे कुओ से, भट्याण जाने वाले पुराने रास्ते ग्राम लोंदी मे कुओ से, थाना मण्डलेश्वर क्षेत्र गांधीनगर, लाडवी नहर के किनारे वाटर पम्पो को खोलकर तांबे के तार काटकर चोरी करना बताया ।

आरोपीयो व कबाडीयो से बरामद सामग्री

119 किलोग्राम तांबे का तार कुल किमती 15200/- रुपये

गिरफ्तारशुदा आरोपी

अशोक पिता पदम वास्कले जाति भील उम्र 35 साल निवासी करोंदिया (अहिल्यापुरा) थाना कसरावद,

2.मुकराम पिता बाबु डावर जाति भील उम्र 28 साल निवासी करोंदिया (अहिल्यापुरा), थाना कसरावद,

3बिशन पिता कैलाश डावर जाति भील उम्र 30 साल निवासी रामा फलिया सादडवन हाल लोंदी,

4.अशोक पिता बाबु डावर जाति भील उम्र 32 साल निवासी देवझिरी फलिया सादडवन हाल लोंदी,

5.सचिन पिता पंढरी सेलवाने जाति बलाई उम्र 35 साल निवासी वार्ड नं. 01 पिपलगोन कसरावद (कबाडी)

6.श्यामलाल पिता मांगीलाल पटेल जाति गुर्जर उम्र 58 साल निवासी बालसमुद (कबाडी)

फरार आरोपीयो के नाम

1.सरदार, 2.सेन पिता पेमा, 3.सिगदार भील, 4.ताराचंद पिता सरदार सभी निवासी सादडबन थाना कसरावद के है जो गिरफ्तार शुदा आरोपीयो के साथ मिलकर गिरोह के रुप मे मोटर सायकलो के उपयोग से थाना बलकवाडा, कसरावद, मण्डलेश्वर व बैडीया क्षेत्र मे चोरी की घटनाओ को अंजाम दिया है ।

आरोपीयो के आपराधिक रिकार्ड आरोपी श्यामलाल पिता मांगीलाल पटेल जाति गुर्जर उम्र 58 साल निवासी बालसमुद (कबाडी) का पुर्व मे चोरी का माल खरीदने का 01 प्रकरण थाना बलकवाडा पर पंजीबद्ध है ।

स्कूल यूनिफार्म घोटाले एवं आजीविका मिशन के काले कारनामों की जांच सीबीआई से करायेः डॉ. गोविन्द सिंह

600 सौ करोड़ रूपये कमीशन की भेंट चढ़ गए

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
पुष्पांजली टुडे

भोपाल । विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने कहा है, कि प्रदेश में आजीविका मिशन भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है, स्कूली छात्रा/छात्राओं को स्व- सहायता समूह के नाम पर अधिकारियों एवं ठेकेदारों की सांठ गांठ से घटिया ड्रेस स्कूलों में वितरित कर दी गई । विगत तीन वर्षों में स्कूल ड्रेस के नाम पर 600 करो? रूपये कमीशन की भेंट चढ़ गए ।नेता प्रतिपक्ष डॉ सिंह ने कहा कि पॉवरलूम से कप?ा खरीदकर महिला स्व- सहायता समूहों से ड्रेस सिलवानी थी, किन्तु सरकारी मशीनरी ने ऐसा न कर कमीशनखोरी के चक्कर में घटिया स्तर की एवं सस्ती रेडीमेड ड्रेस खरीदकर समूहों के माध्यम से वितरित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यह कमीशन का खेल काफी लंबे समय से चल रहा है, स्कूल ड्रेस के संबंध में सदस्य एन.पी. प्रजापति द्वारा लाई गई

ध्यानकर्षण सूचना पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने विधानसभा में घोषणा की थी कि स्कूल ड्रेस की राशि सीधे बच्चों के खातों में डाली जायेगी। एक वर्ष तक यह राशि डाली भी गई किन्तु ड्रेस सप्लायर माफियाओं के सामने सरकार नतमस्तक हो गई और उन्हीं माफियाओं के दबाव में विधानसभा में की गई घोषणा को पलट दिया गया । डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि गौरतलब बात यह कि महिला स्व- सहायता समूहों की आड़ में कमीशन का खेल खेला जा रहा है। डॉ. सिंह ने यह भी कहा कि पोषण आहार में भी इसी तरह से समूहों के नाम बड़ा घोटाला किया गया है। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन में भ्रष्टाचार किया जा रहा है, इसके सरगना सी.ई.ओ. बेलवाल है। इनके काले कारनामों की जांच आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या ने की और शासन को सौंपी जांच रिपोर्ट में ललित मोहन बेलवाल दोषी पाये गये, किन्तु उनके विरूद्ध कार्यवाही करने की बजाय जांचकर्ता महिला अधिकारी को प्रता?ित किया जा रहा है। एक ओर राज्य सरकार द्वारा ला?ली बहना योजना में नारी के उत्थान की बात की जा रही है। वहीं जांचकर्ता महिला अधिकारी को प्रता?ित कर, अपमान किया जाकर भ्रष्ट सीईओ जो लंबे समय से संविदा पर पदस्थ है,को बचाकर भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष डॉ सिंह ने स्कूल ड्रेस घोटाले एवं आजीविका मिशन के काले कारनामों की सीबीआई से जांच कराने, सीईओ बेलवाल को तत्काल हटाये जाने एवं स्कूल ड्रेस की राशि हितग्राहियों के बैंक खाते में सीधे डालने की मांग की है।

दो सीएमओ को कलेक्टर ने दिया कारण बताओ नोटिस

लंबित जनशिकायतो के निराकरण में बरत रहे थे लापरवाही

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टहर डॉ सतीश कुमार एस ने मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान द्वितीय चरण के अन्त गत लंबित शिकायतो के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोहद सुरेन्द्र शर्मा एवं मुख्यर नगर पालिका अधिकारी भिण्ड वीरेन्द्र तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घण्टे के अन्दन कलेक्टर के समक्ष जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। उन्होंने कहा कि इस लापरवाही के लिए क्यों न आपकी गोपनीय चरित्रावली प्रतिवेदन में विपरीत टीप का मतांकन किये जाने हेतु वरिष्ठ कार्यालय को लिखा जावे।कलेक्टर ने विगत 24

मई 2023 को मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान द्वितीय चरण के दोनों घटकों की प्रगति समीक्षा की, समीक्षा के दौरान उक्त दोनो मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की लंबित शिकायतों के निराकरण की प्रगति अत्यंत न्यून पाई गई। साथ ही कुछ एट्रीव्यूट में एंट्री नगण्य पायी गयी। जबकि इस संबंध में पूर्व की बैठकों में बार-बार निर्देश दिये जाने के उपरांत भी संतोषजनक सुधार नहीं हुआ। आपके द्वारा महत्वपूर्ण अभियान में वांछित रुचि नहीं ली गई, जोकि अत्यंत ही आपत्तिजनक है। आपका उक्त कृत्य एक लोक सेवक के पदीय कर्त्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता के साथ-साथ आपकी कर्तव्य विमुखता का परिचायक है।

प्रदेश कि सूची में दमोह का दबदबा

प्रदेश कि सूची में दमोह का दबदबा,10वीं और 12वीं कि टॉपटेन सूची में जिले के विद्यार्थियों नें बनाया स्थान

एमएलबी स्कूल की छात्रा प्रदेशसूची में

एमएलबी स्कूल की छात्रा प्रदेशसूची में

एक्सीलेंस स्कूल के छात्र प्रदेश सूची में

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। माध्यमिक शिक्षा मंडल 10वीं एवं 12वीं के रिजल्ट में जिले से कक्षा दसवीं में एमपी टॉपटेन सूची में 7 बच्चों ने मारी बाजी जिसमें सृजन जैन पिता बिजेंद्र जबेरा व कृतिका घोषी सुदामा तेंदूखे?ा ने 490 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पांचवा स्थान पर, हीरालाल इमरत अहिरवार ककरा के 489 अंक प्राप्त कर प्रदेश में 6वां स्थान,प्रभावती पिता राजकुमार कुसमरिया पथरिया 488 सांतवा स्थान पर,शुभ अजय कुमार तीनगुल्ली दमोह ने 487 अंक प्राप्त कर आठवां स्थान मिला और संजना संतोष पटैल कानेटकर भवन दमोह और रूचि साहू पिता अशोक सशिमं जबेरा 485 दसवें स्थान पर रही। वही 12वीं कि टॉप सूची में अपना स्थान बनाने वाले पीयूष पिता संजय असाटी निवासी जबलपुर नाका ने कृषि संकाय विषय से पांचवा स्थान प्राप्त किया। पीयूष उत्कृष्ट विद्यालय दमोह में अध्ययनरत है और इन्होने 474 अंक प्राप्त कर 94. 8त्न प्राप्त किए हैं और प्रदेश में पांचवें नंबर पर रहे।इसके अलावा वाणिज्य विषय से संकल्प असाटी नवजाग्रति स्कूल दमोह नें दसवां स्थान और प्राची व्यास ने भी दसवां स्थान प्राप्त कर प्रदेश कि टॉपटेन सूची में अपना नाम दर्ज किया है।जिले के एक्सीलेंस स्कूल से नरोत्तम राठौर पिता विजय राठौर निवासी खिरिया नें मेथ्स कक्षा में 94.4अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मध्यप्रदेश में 10वीं, 12वीं के नतीजे हुए घोषित,जिले के कई छात्र छात्राओं का नाम

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

रेनबो पब्लिक स्कूल की छात्रा संस्कृति जैन ने कक्षा 10 वी में प्राप्त किया नौवां स्थान

देवेंद्रनगर देवेंद्रनगर के प्रतिष्ठित परिवार गुलाब चंद जैन की नातिन सुशील जैन की पुत्री संस्कृति जैन द्वारा कक्षा 10 वी में 500 में से 487 अंक प्राप्त कर मध्यप्रदेश की मेरिट सूची में नोवा स्थान प्राप्त कर देवेंद्रनगर का नाम रोशन किया एवं पन्ना जिले में पहला स्थान प्राप्त किया ।गौरतलब है कि संस्कृति के पिता सुशील कुमार जैन द्वारा भी अपने समय कक्षा

10 में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में भैया अविनाश गर्ग पिता अवनीश गर्ग ने 97.2त्न अंक अर्जित कर प्रदेश की सूची में नौवां स्थान एवं राज चतुर्वेदी पिता राम सुरेश चतुर्वेदी ने 97त्न अंक अर्जित कर प्रदेश की सूची में दसवां स्थान प्राप्त किया है।

वही जिले की मेरिट में सरस्वती ज्ञान मंदिर गुनौर की- वैष्णवी पाण्डेय पिता संजय पाण्डेय ने 96.4त्न अंक अर्जित कर सूची में दूसरा स्थान एवं नीरज यादव पिता भागवत यादव ने 96.2त्न अंक प्राप्त कर

सूची में तीसरा स्थान प्राप्त किया उपरोक्त सभी छात्र छात्राओं ने अथक मेहनत से जिले एवम नगर का नाम रोशन किया है।जिले के पत्रकार एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा बधाई दी गई एवम उज्जवल भविष्य की कामना की।

इंदौर में दमोह के ओजेंद्र तिवारी 'शान ए फलक' अवार्ड से सम्मानित

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। मध्यप्रदेश की पावन भूमि इंदौर के मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति सभागार में अखिल भारतीय फलक फाउंडेशन दिल्ली द्वारा एक शानदार साहित्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ इलियास खां मुख्य अतिथि ओमकार त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि राजेंद्र तिवारी थे। कार्यक्रम के प्रथम चरण में सरस्वती वंदना हुई। कार्यक्रम में आधुनिक युग में नारी का अस्तित्व विषय पर मंचासीन विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में काव्य मनीषियों द्वारा काव्य पाठ किया गया। अंतिम चरण में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अंतर्राष्टीय फलक फाउंडेशन की राष्टीय अध्यक्षा नेहा इलाहाबादी और मंचासीन अतिथियों द्वारा ओजेन्द्र तिवारी एवं श्रीमती पदमा तिवारी को शान ए फलक अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मिलने पर इंजी. अमर सिंह राजपूत, पीएस, परिहार, रामकुमार तिवारी, अनिल जैन, प्रेमलता नीलम मनोरमा रतले, विमला तिवारी आदि साहित्यकारों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

शहर युवा कांग्रेस का गठन

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। जिलाध्यक्ष रतनचंद जैन जिला शहर अध्यक्ष मनु मिश्रा की अनुशंसा पर जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मंजीत यादव की सहमति से शहर युवा कांग्रेस का गठन शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष आयुष दुबे द्वारा किया गया। युवा शहर कि कार्यकारिणी में जितेन्द्र अहिरवाल व अनमोल कश्यप् को युवा कांग्रेस शहर उपाध्यक्ष पद व राजुल वाथरे को महासचिव पद पर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही बहुत से वार्डो में वार्ड अध्यक्ष नियुक्त किये गये जिनके नाम शहबाज खान, प्रिंस रैकवार, सचिव पटैल, मोहम्मद सलीम उर्फ, बब्लू खान, नितिन विश्वकर्मा, इमामुल कुरैशी, शिवम चौधरी को

वार्ड अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। जिला कांग्रेस कार्यालय में विधायक अजय टंडन की गरिमामय उपस्थिति एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनु मिश्रा, संगठन प्रभारी कल्लन जैन, सुदामा दुबे, बब्लू भट्ट, गिरिश मिश्रा की उपस्थिति में बनाये गये पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे सभी कांग्रेसजनों ने अपने संबोधन में युवा साथियों को संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिये। इस गरिमामय कार्यक्रम में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मंजीत यादव व शहर अध्यक्ष आयुष दुबे ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन भूपेन्द्र आजवानी ने किया व आभार कुद्दूस चिश्ती ने किया। कार्यक्रम में सैकड़ो कि संख्या में युवाओ की उपस्थिति रहीं।

योग से व्यक्ति शतायु से भी अधिक जीवन जी सकता- रविकान्त मिश्रा

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे की खबर

दमोह। हार्टफुलनेस संस्थान श्री रामचंद्र मिशन, संस्कृति मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में योग प्रशिक्षण कराया जा रहा है जिसमें हार्टफुलनेस संस्था के प्रशिक्षक द्वारा ग्राम वासियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नवांकुर संस्था बुन्देलखंड नव निर्माण संगठन एवं युवा जन कल्याण समिति के द्वारा यह शिविरों का आयोजन लक्मनकुटी सेक्टर में आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम समंवयक अंकित बसेडिया ने बताया कि मानसिक तनाव को कम करने, वजन कम करने और शरीर को फिट बनाने के लिए तीन दिवसीय निशुल्क योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जो सुबह 7 बजे से 10ः30 तक अलग अलग स्थानों दिगसर, पालर, महंतपुर में आयोजित किया गया। दिल्ली से आये हार्टफुल नेस संस्था के सदस्य रविकांत मिश्रा ने बताया 21 जून को विश्व योग दिवस पर सम्पूर्ण देश विदेश में योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा वही इस योग दिवस में यह योग दिवस प्रत्येक मध्यप्रदेश वासियों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित करेगा। योग अपनाकर व्यक्ति शतायु से भी अधिक जीवन जी सकता है। भारतीय संस्कृति का योग एक आवश्यक अंग है। हर दिन ध्यान करने से ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज आदि के लिए लाभकारी आसन, प्राणायाम, मुद्राओं के व्यावहारिक अभ्यास के साथ ही डिप्रेशन, तनाव प्रबन्धन, एकाग्रता और आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए हार्टफुलनेस के प्राणाहुति आधारित ध्यान का तीनों दिन व्यावहारिक अभ्यास करवाया गया। परामर्शदाता राहुल खरे ने बताया कि हार्टफुलनेस संस्था विश्व मे 150 देशों में कार्य कर रही है संस्था का उद्देश्य है कि हर कोई स्वास्थ्य रहे निरोगी रहे अंतरराष्टीय योग दिवस पर प्रदेश में एक करोड़ लोगों को एकात्म अभियान के तहत ध्यान योग से जोड़ने का लक्ष्य है। इसके लिए सभी ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, छात्र/ छात्राओं, के सहयोग से संभव हो पाएगा। इस अवसर पर गोपाल पटेल, प्रदीप पटेल,हरगोविंद साहू, पुष्पेंद्र पटेल,रम्मू विश्वकर्मा, बलराम पटेल, मुकेश नामदेव, राजू पटेल, राकेश पटेल, नरेश पटेल, पवन, पटेल, अभिषेक पटेल, अमित खरे आदि की उपस्थिति रही

51 लोगों ने 75 दिनों तक पड़ने की प्रतिज्ञा

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। रुत पंचमी के पावन पर्व पर भाई जी मंदिर सिविल वार्ड दमोह में आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने अध्यन की प्रतिज्ञा ली। अध्यन की प्रतिज्ञा दिलाते हुए पं.डॉ. प्रदीप जी ने बताया कि अध्यन मानसिक भोजन है यदि यह न मिले तो मानव जानवर हो जाता है श्रुत पंचमी के अवसर पर आयोजित परीक्षार्थी एवं शिक्षक सम्मान में मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. श्रीमती इंद्रा जैन व डॉ. सुनील जैन, श्रीमती नूतन जैन ने उद्बोधन दिया जिसमें चि?चि? और जिद्दी बच्चों को होनहार और होशियार बताकर सही तरीके से सम्हालने की विधि बताई। कार्यक्रम में दमोह शिविर 2022 के शेष परदे के पीछे के कार्यकर्ता संयोजक श्री विजय डायमंड एवं कोषाध्यक्ष श्री संजीव शाकाहारी का सम्मान किया गया। ऑनलाइन परीक्षा में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान (बच्चों में) क्रमशः कु. मिस्ठी गांगरा, आराध्या एवं किशोरों में क्रमशः कु. अंशिका कु. अनुश्री कु. राशि एवं बड़ों में क्रमशः श्रीमती प्रिया नन्हे मंदिर, श्रीमती सारिका राजीव कालोनी, श्रीमती रिचा मोदी भाई जी मंदिर का स्थान लगा। साथ ही भाई जी मंदिर महिला मंडल श्रीमती शशि गांगरा, श्रीमती दिशा आदि की टीम ने समस्त पुस्तकों की सेवा वैयावृत्ति की व्यवस्था की। शिक्षक सम्मान में श्री विशाल जी, श्रीमती अर्चना जी, श्रीमती सरोज चश्मा, श्रीमती मंजूषा जी श्रीमती नेहा जी आदि का सम्मान हुआ। कार्यक्रम आयोजन में भाई जी मंदिर के उपाध्यक्ष विकल्प, कोषाध्यक्ष अजय होजरी, विशाल मासाब, संजीव,शिक्षक कमलेश रहे। साथ ही दमोह शिविर में नाश्ता आदि की सुव्यवस्था निभाने वाले अमरदीप, मानव बजाज, नीरज सहारा, रानू मंगलम, सलिल लहरी, मंटू गांगरा, राजीव गांगरा, मनीष आउटलुक, आशीष शाह, ज्ञानेंद्र इटोरया , दिलेश आदि रहे।

मिशन लाईफ (लाईफ फार इनवायरमेंट) के तहत 05 जून तक पर्यावरणीय

दमोह । राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के तहत मिशन लाईफ (लाईफ फार इनवायरमेंट) के तहत 05 जून 2023 तक पर्यावरणीय जन-जागृति कार्यक्रम अंतर्गत भारत सरकार द्वारा पारम्परिक जीवन मूल्यों पर आधारित स्वपोशी व स्थाई विकास की दृष्टि से स्वस्थ्य पर्यावरण निर्माण हेतु 07 थीम पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किये जाने हेतु कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने संबंधित विभागों को जिम्मेदारी सौपी है।कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने संबंधित विभागों से समन्वय तथा गतिविधियों के संचालन एवं फोटो वीडियो अपलोड कराये जाने हेतु दल गठित किया है। गठित दल में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह के प्राचार्य के.पी. अहिरवार, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिन्नाई के प्राचार्य रमेश व्यास, जन अभियान परिषद दमोह के जिला समन्वयक सुशील नामदेव, नेहरू युवा केंद्र दमोह के जिला युवा अधिकारी सुधीर सिंह एवं राष्ठीय डे ग्रामीण अजीविका मिशन दमोह के प्रबंधक श्याम गौतम को दल में शामिल किया है। लाईफ अभियान की गतिविधियों के अंतर्गत हैकथान, सोशल मीडिया अभियान, पर्यावरण विषयों पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता, स्लोगन राईटिंग व जिंगल प्रतियोगिता, कार्यशालाएं/सेमीनार, साहित्य का वितरण, नुक्कड़ नाटक, साइकिल रैली रन फार लाईफ स्टाइल अभियान, मॉस प्लांटेशन ड्राईव आदि गतिविधियां की जायेगी। इसी क्रम में 26 मई को अधीक्षण यंत्री म.प्र. विद्युत वितरण क.लि. दमोह/ऊर्जा विभाग के द्वारा उर्जा बचाओ कार्यक्रम, 27 मई को परियोजना अधिकारी नगरीय विकास विभाग दमोह, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग दमोह एवं कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग दमोह द्वारा पानी बचाओं कार्यक्रम, 29 मई को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग), शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह (उच्च शिक्षा), परियोजना अधिकारी नगरीय विकास विभाग दमोह एवं जिला शिक्षा अधिकारी (स्कूल शिक्षा) के द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहें कार्यक्रम, 30 मई को परियोजना अधिकारी नगरीय विकास विभाग, सहायक संचालक पशु चिकित्सा विभाग, सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग एवं जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी दमोह के द्वारा सस्टेनेबल फूड सिस्टम अपनाएं कार्यक्रम, 31 मई को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग) एवं परियोजना अधिकारी, नगरीय विकास विभाग दमोह के द्वारा अपशिष्ट कम करें कार्यक्रम, 01 जून को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दमोह एवं जिला आयुष अधिकारी (आयुष विभाग) के द्वारा स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाएं कार्यक्रम तथा 02 जून को परियोजना अधिकारी नगरीय विकास विभाग, जिला सूचना एवं विज्ञान केंद्र अधिकारी दमोह एवं जिला प्रबंधक, ई-गर्वेनेंस सोसायटी दमोह के द्वारा ई-वेस्ट को कम करें कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने कहा इस अवधि में विभागवार जन-जागृति कार्यक्रम आयोजित कर कार्यक्रमों के फोटोग्राफ/वीडियोग्राफी रिकार्ड कर क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सागर को ईमेल पर भेजते हुए मेरी लाईफ पोर्टल पर अपलोड किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

मूल्यों-आदर्शों के प्रतीक बनें जनतंत्र के मंदिर

जब हमारे प्रधानमंत्री विदेशों में अपने नेतृत्व को रेखांकित करने- कराने में लगे हुए थे तो देश में उन्हें लेकर एक बेमतलब का विवाद शुरू हो गया था। मुद्दा संसद के नये भवन के उद्घाटन का है। बहुचर्चित नया संसद परिसर लगभग बनकर तैयार है और अब इसे देश को लोकार्पित किया जाना है। लोकसभा के स्पीकर ने उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रित किया है। विपक्ष का कहना है कि यह कार्य देश के प्रथम नागरिक अर्थात्‌ राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। यह मांग भी ग़लत नहीं कही जा सकती, आखिर देश के सर्वोच्च संस्थान के उद्घाटन का मामला है। उधर प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन कराने के पक्षधरों का कहना है कि प्रधानमंत्री देश का सर्वोच्च निर्वाचित नेता होता है और यह नया संसद परिसर तो प्रधानमंत्री मोदी की प्रिय परियोजना है। कोरोना-काल में जब देश के सारे निर्माण-कार्य ठप पड़ गये थे, इस परिसर का काम नहीं रोका गया था, और निर्माण कार्य के दौरान प्रधानमंत्री लगातार इसकी निगरानी कर रहे थे। क्या बुरा है यदि उद्घाटन भी उन्हीं के हाथों हो?

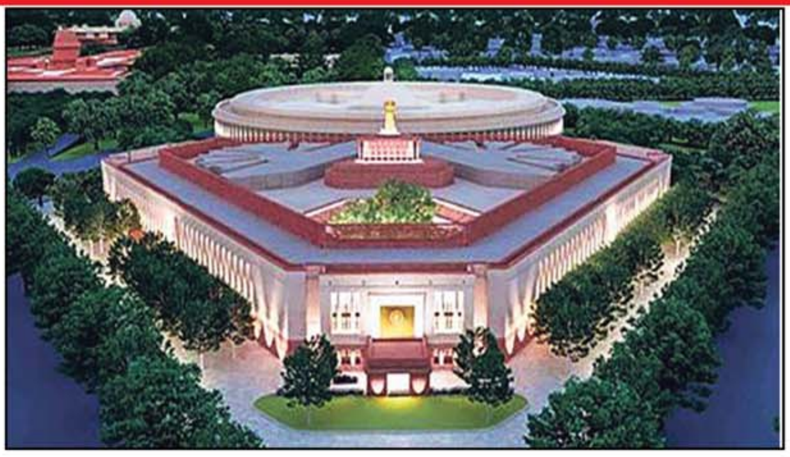

सवाल वाजिब है। पहले भी तो पूर्व प्रधानमंत्री संसद से जुड़े संस्थानों के उद्घाटन करते रहे हैं। 'दूरदर्शन' ने तो राजीव गांधी के हाथों होने वाले ऐसे उद्घाटन की फिल्म भी देश के सामने रख दी है। सच पूछा जाये तो यह विवाद का विषय है ही नहीं। होना ही नहीं चाहिए। पर जिस तरह की राजनीति आज देश में हो रही है, अनावश्यक मुद्दे हथियार बनाये जा रहे हैं। निश्चित रूप से यदि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होता तो यह अधिक गरिमामय होता। लेकिन आज जो राजनीति हम देख रहे हैं उसमें गरिमा अथवा औचित्य के लिए स्थान ही कहां बचा है। होना तो यह चाहिए था स्वयं प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को इस कार्य के लिए आमंत्रित करते। पर जो होना चाहिए, वह होता कहां है हमारी राजनीति में?

कौन जानता है कि हमारे पुराने संसद-भवन का उद्घाटन किसने किया था? और आवश्यकता भी क्या है ऐसे औपचारिक अवसरों को याद करने या याद रखने की? महत्वपूर्ण संसद-भवन नहीं संसद-भवन के भीतर होने वाली कार्यवाही है। कौन नहीं जानता कि पिछले कुछ सालों में हमारी संसदीय कार्यवाही में लगातार गिरावट आयी है? संसद के भीतर होने वाली बहस का स्तर तो गिरा ही है, अक्सर हमने देखा है कि संसद का बहुमूल्य समय बेबात के विवादों की बलि चढ़ता रहा है। संसद के हर सत्र के बाद इस तरह के आंकड़े प्रस्तुत किये जाते हैं जो यह बताते हैं कि संसद का कितना समय शोर-शराबे और बहिर्गमन और काम में व्यवधान डालने में बर्बाद होता है। हमारे नेताओं ने तो इस बात की भी वकालत की है कि संसद के काम में रुकावट डालना भी संसदीय कार्य-प्रणाली का हिस्सा है! यहां यह याद करना महत्वपूर्ण होगा कि यह तर्क तत्कालीन विपक्ष के नेताओं ने दिया था। अर्थात्‌ जो भी विपक्ष में होता है, इस तरह के तर्कों का सहारा लेता है।

यह एक संयोग ही है कि जब नये संसद-भवन के उद्घाटन को लेकर देश में विवाद चल रहा है तो देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ केरल विधानसभा भवन के रजत-जयंती समारोह में संसद और विधानसभा सदनों में काम-काज में रुकावट डालने को राजनीतिक रणनीति का हथियार बनाने की प्रवृत्ति के खिलाफ देश को आगाह कर रहे थे। उन्होंने सदनों के अध्यक्षों से आगाह किया कि वे इस बारे में राष्ट्रीय सहमति बनाने का काम करें कि जनतंत्र के मंदिरों का उपयोग उपयोगी बहस और सार्थक कामकाज के लिए ही हो। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने इस बात को रेखांकित किया कि यदि संसद में होने वाला कार्य दूसरों को अनुकरणीय नहीं लगता तो इसका मतलब यह है कि हमारे सोच में कहीं कोई खामी है। उन्होंने विधानसभा परिसर के पुनर्विकास के लिए आधारशिला भी रखी।

आधारशिला वाली बात का रिश्ता कहीं न कहीं इस तथ्य के साथ भी है कि पुनर्विकास का मतलब संसदीय परंपराओं को बनाये रखने से भी होता है। आज जब हम नये संसद-परिसर के उद्घाटन समारोह के साक्षी बन रहे हैं, इस बात का भी ध्यान रखा जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र का हमारा मंदिर जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों के अनुरूप कार्य का उदाहरण बने। यह बात महत्वपूर्ण नहीं है कि उद्घाटन किसके हाथों हो, महत्वपूर्ण यह है कि उद्घाटन के बाद वहां काम कैसा हो रहा है।

वैसे इस संदर्भ में विपक्ष यह बात भी कह रहा है कि हमारे प्रधानमंत्री को उद्घाटन-समारोहों से कुछ ज़्यादा ही मोह है। छोटे-छोटी परियोजनाओं का उद्घाटन वे स्वयं करना पसंद करते हैं। किसी राजमार्ग का उद्घाटन करना कतई ग़लत नहीं है, पर राजमार्ग के छोटे से हिस्से का उद्घाटन प्रधानमंत्री करें, यह बात कुछ उपयुक्त नहीं लगती। इसी तरह वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत प्रधानमंत्री करें यह तो समझ आता है, हर नये रूट पर वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री ही हरी झंडी दिखायें यह कुछ अजीब तो लगता ही है। कुछ काम करने का श्रेय तो रेल मंत्री या परिवहन मंत्री को भी मिलना चाहिए। विपक्ष इस प्रवृत्ति को आत्म-प्रचार और आत्म-श्लाघा से जोड़ रहा है।

बहरहाल, उद्घाटन वाला यह विवाद न उठता तो अच्छा था। पता नहीं प्रधानमंत्री की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। अभी तक तो भाजपा के अन्य नेतागण ही इस बारे में बोल रहे हैं। पर यदि किसी रूप में प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम से जुड़ते हैं तो निश्चित रूप से कार्यक्रम की भव्यता बढ़ जायेगी। इसे राजनीतिक नफे-नुकसान का माध्यम बनाना किसी भी पक्ष के लिए उचित नहीं है। प्रधानमंत्री स्वयं पहल करके इसकी भव्यता को बढ़ा सकते हैं।

सही रास्ते पर चलने वाला नेता निस्संदेह बड़ा होता है, पर सही रास्तों का पता लगाने, उन्हें काटों-कंकड़ों से मुक्त बनाकर उन पर देश और समाज को चलाने वाला नेता कहीं अधिक बड़ा होता है। हमारे नेतृत्व को चाहे वह किसी भी स्तर का क्यों न हो, इस परीक्षा में लगातार सफल होना है। सवाल सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का नहीं है, राजनीतिक संस्कृति के परिष्कार का है। इस कार्य में हमारा नेतृत्व अक्सर विफल होता ही दिखा है। जुमलेबाजी वाली राजनीति से बचना-बचाना ज़रूरी है। चुनाव-दर-चुनाव हम इस प्रवृत्ति के खतरनाक परिणाम देखते आ रहे हैं। संसद भवन में जुमलेबाजी के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। संसद से जुड़े हर कार्य में, उद्घाटन समारोह में भी, एक गरिमा दिखनी चाहिए।

संपादकीय

श्रीनगर का संदेश

निस्संदेह, हाल के वर्षों में भारत दुनिया के बड़े मंचों पर अपनी रीति-नीतियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सफल रहा है। हालिया जी-20 सम्मेलन से जी-7 सम्मेलन तक में भारत की प्रभावपूर्ण उपस्थिति इस तथ्य का परिचायक है। कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किये जाने और जम्मू-कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने का पाक और चीन पुरजोर विरोध करते रहे हैं। इतना ही नहीं, इस्लामिक देशों के संगठन में तुर्की व इंडोनेशिया तक हमारी कश्मीर नीति के मुखर विरोधी रहे हैं। अब श्रीनगर में हो रही जी-20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की तीन दिवसीय बैठक का पाक के साथ चीन द्वारा बहिष्कार किया जाना बताता है कि चीन कितना हमारा विरोधी देश है। जो निस्संदेह चीन के दोहरेपन को ही उजागर करता है। नैतिक दृष्टि से भी यह बीजिंग की दुर्भावना को उजागर करता है। जाहिर है चीन ऐसा अपने आर्थिक साझेदार पाक को खुश करने तथा भारत को चिढ़ाने के लिये कर रहा है। बहरहाल, भारत ने दुनिया को बता दिया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि अपने पड़ोसियों की जमीन हड़पने के लिये कुख्यात चीन किस मुंह से भारत के अटूट हिस्से कश्मीर पर सवाल उठा रहा है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भारत का अंदरूनी मामला था। चीन द्वारा 1962 में अवैध रूप से कब्जायी भारतीय जमीन तथा 1963 में पाक के साथ समझौते से हासिल हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन को भारत ने कभी मान्यता नहीं दी। इतना ही नहीं, चीन अपनी महत्वाकांक्षी बहुराष्ट्रीय योजना 'वन बेल्ट, वन रोड' योजना को इस विवादित क्षेत्र में अंजाम देता रहा है। यह योजना पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरती है। इसके बावजूद चीन कश्मीर के कथित विवाद को संयुक्त राष्ट्र चार्टर व सुरक्षा परिषद के समझौतों के अनुसार सुलझाने के कुतर्क देता रहा है। जबकि खुद चीन का अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के उल्लंघन का रिकॉर्ड शर्मनाक ही रहा है। बहरहाल, चीन, पाक व तुर्की आदि के जी-20 सम्मेलन के बहिष्कार के बावजूद भारत द्वारा इसे सफलतापूर्वक आयोजित करना, भारत की साख को बढ़ाने वाला ही है। यही वजह है कि भारत ने जम्मू-कश्मीर में जी-20 से जुड़े आयोजन को भव्य बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। भारत तमाम देशों को संदेश देने में सफल रहा कि बदलते कश्मीर में स्थितियां सामान्य व उम्मीद जगाने वाली हैं। साथ ही चीन व टर्की जैसे देशों को सफलता से यह संदेश दे दिया गया कि भारत के आंतरिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। भारत ने इन देशों के रवैये ?व बयानों को नजरअंदाज करते हुए करारा जवाब भी दिया है। यह भी कि भारत अपने किसी भी क्षेत्र में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय आयोजन करने का हकदार है। इनके विरोध के बावजूद साठ से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया। इससे पहले भी चीन लद्दाख व अरुणाचल में आयोजित होने वाली जी-20 की बैठक में भाग लेने से इनकार कर चुका है। एक तरफ तो चीन अपने देश में मुस्लिम अल्पसंख्यकों का दमन करता रहता है, वहीं कश्मीरी मुसलमानों के आत्मनिर्णय के कुतर्क देता रहता है। निस्संदेह चीन को उसी की भाषा में जवाब देना चाहिए। इतना ही नहीं चीन की दुखती रग तिब्बत आदि मुद्दों पर भी दबाव बनाना चाहिए। निस्संदेह, इस सम्मेलन के जरिये विदेशी मेहमानों को कश्मीर के बदलावों को करीब से देखने का अवसर मिला है। साथ ही दुनिया के बड़े वैश्विक मंचों पर भारत का कद भी बढ़ा है। निस्संदेह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तमाम अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की दखल बढ़ी है। दुनिया ने जी-20 के इतर हिरोशिमा में जी-7, पापुआ न्यू गिनी तथा आस्ट्रेलिया में हालिया आयोजनों में भारत के बढ़ते कद को महसूस किया है। यही वजह है कि चीन, पाक व तुर्की इस सम्मेलन से नदारद हैं। तुर्की के राष्ट्रपति रेचब तैयब्बा का सम्मेलन से बाहर रहना वहां के राष्ट्रपति चुनावों में खुद को दुनिया के मुसलमानों का नेता साबित करना है। इसके बावजूद भारत पूरी दुनिया को यह संदेश देने में कामयाब रहा है कि वर्ष 2019 के बाद कश्मीर में विकास हुआ है और वहां शांतिपूर्ण स्थितियां बनी हैं।

हिरोशिमा में तिहरे खतरे के बादल!

हरिशंकर व्यासविश्व की शक्ल बदल रही है। वजह पृथ्वी और मनुष्य दोनों के दुर्दिन हैं। पृथ्वी का मिजाज, उसकी इम्यून क्षमता, जहां मनुष्यजनित और प्रकृतिगत बीमारियों से बिगड़ती हुई है वहीं मानव सभ्यता बुद्धि की पांचवीं और संभवतया आखिरी क्रांति से अपने दिमाग को गंवाने का खतरा लिए हुए है। मनुष्य बुद्धि का मशीनी टेकओवर संभव है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस याकि मानव निर्मित नकली बुद्धि की वह एक असेंबली लाइन, जिस पर नए सिरे से होमो सेपियन की गढ़ाई होगी। वैसे ही जैसे कभी प्राचीन काल में धर्म ने इंसान को भिन्न-भिन्न ठप्पों का बनाया था। बहुत संभव है इसी सदी में मनुष्य प्रकृति की असमानताओं के आधार पर इंसान का नए सिरे से मानकीकरण हो। निश्चित ही पृथ्वी और मनुष्य की जैविक रचना यथावत है। जैसी थी वैसी है और रहेगी। बावजूद इसके रेगिस्तान यदि नखलिस्तान हो जाए और उत्तरी व दक्षिणी धुव्र रेगिस्तानी गर्मी में पिघलकर उपजाऊ मैदान हो गए तो सौ वर्षों में पृथ्वी का भूगोल व शक्ल तो बदली ही मानेंगे। अगले सौ वर्षों में भूगोल, आबोहवा, रूप-रंग, प्रकृति सभी में पृथ्वी नई शक्ल लिए हुए होगी। ऐसे ही दस-बारह अरब लोगों की मानव जाति की असमानताएं भिन्न ब्रांड- मिजाज की शक्लों से चिन्हित होगी। वैसे ही जैसे पुराण कथाओं से राम-रावण, वानर सेना-असुर सेना, देवलोक-असुरलोक, ऋषिजन-बर्बर, बुद्धिमान-गंवार, मालिक-गुलाम की प्रकृति में विभिन्न तरह के चेहरों का दिमाग में इलहाम बनता है।कल्पना करें, वर्ष 2100 के विश्व की। भूगोल में नए रेगिस्तान, नए बंजर, लुप्त हुए या नए बने द्वीपों, नए सागर, नए मैदानों से पृथ्वी खौलती और भभकती हुई। इतनी छोटी अवधि में इतना बड़ा परिवर्तन! ऐसा ही मनुष्यों को साथ होना है। आम इंसान के बस में कुछ भी नहीं होना। सत्य-तथ्य है कि अब तक का विकास मानव द्वारा अपने हाथों, स्वंय की बुद्धि और दिमाग से है। होमो सेपियन का पूरा सफर उसका खुद का। उसने खुद जगंली जीवन से शिकारी जीवन बनाया। फिर खेतिहर हुआ। 1760 की औद्योगिक क्रांति से वह उत्पादक-मजदूर बना। यह सब मनुष्य दिमाग के बौद्धिक विस्तार से था। मानव मष्तिष्क की चेतना, ओजस्विता से तीन-चार हजार वर्षों में जंगली पशु से शुरू होमो सेपियन का रूपांतरण शिकारी, कृषक, मजदूर, मशीनी, ग्लोबल, डिजिटल, इंटेलीजेंट-रोबो व कृत्रिम् बुद्धि के एक के बाद एक सोपान पाता गया। उसका आधुनिक अस्तित्व हर तरह से स्वनिर्मित !उस नाते विचारें तो क्या लगेगा नहीं कि अपनी पृथ्वी से शेष ब्रह्मांड ईर्ष्या करता हुआ होगा! ब्रह्मांड में किसी ग्रह-उपग्रह पर पृथ्वी जैसी जैविक व्यवस्था यदि होगी और वह पृथ्वी को आब्जर्व करते हुए हुई तो यह जलन होगी कि पृथ्वी और उसकी मनुष्य प्रजाति ने अपने बौद्धिक बल से अपना क्या खूब वैभव बनाया। वह अंतरिक्ष तक को खंगालते हुए !और अब लंबे सफर का मानों अंतिम मुकाम। इसलिए कि होमो सेपियन ने वह मशीनी दिमाग-माइंड बना डाला है जो जैविक मनुष्य दिमाग से सीमाहीन सुपरफास्ट है। जिसकी सोचने की तेजी, प्रक्रिया क्वांटम कंप्यूटिंग वाली। वह वक्त गया जब गति और तेजी को मनुष्य हार्स पावर, गीगा बाइट जैसे जुमलों में डिफाइन करता था। आगे बहुत जल्द करोड़ों-अरबों लोगों के डेटा और उनकी सामूहिक बुद्धि क्षमता की ताकतों को यह मशीन संग्रहित किए हुए होगी। और वह फिर क्वांटम कंप्यूटिंग प्रोसेसिंग से मनुष्य को चलाती हुई! तब आम आदमी सौ टका अपने हाथ के उस फोन से काम करता हुआ होगा।मतलब वह वक्त आता हुआ है कि जब मुझे और आपको, मानव समाज, प्रशासन-सरकार किसी को दिमाग खपाने की जरूरत नहीं होगी। इसलिए क्योंकि वैज्ञानिकों ने जैविक दिमाग से प्राप्त ज्ञान-विज्ञान, जानकारियों, सवालों, समस्याओं सबको संग्रहित कर लिया है। मनुष्य स्मृतियों का सुपर भंडारण और उसकी मशीनी प्रोसेसिंग का विकास बना डाला है।

सो, नकली दिमाग वह सब करेगा जो जैविक-असली दिमाग करता आया। इसी का

सत्ता जनविरोधी और बुद्धीनाशी

हरिशंकर व्यासव्यंग में वैसे लिखना चाहिए कि अच्छा है जो प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और रेल मंत्री सब संघ-भाजपा के वोट आधार पर खुद कुल्हाडी चला रहे है। आखिर उत्तर भारत के बनिए और व्यापारी ही तो संघ-भाजपा के पुराने पक्के वोट है। सो बहुत अच्छा जो उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान के शहर-कस्बों के व्यापारियों-कारोबारियों पर जीएसटी के इंस्पेक्टर राज के छापे पड रहे है। गूगल पर यदि जीएसटी छापे के जुमले से सर्च की जाए तो प्रदेशों के छोटे-छोटे कस्बों मे इंस्पेक्टर राज का कहर बरपता लगेगा।गौर करे इन सुर्खियों पर- जीएसटी के राजस्थान, मध्यप्रदेश में छापे। आर्थिक राजधानी इंदौर में बड़ा जीएसटी फ्रॉडज्‌. मप्रमें 42 स्थानों पर जीएसटीका सर्वे, बुरहानपुर मेंज्‌ कटनी में कोल किंग के ठिकानों पर छापाज्‌ पान मसाला कारोबारियों के ठिकानों पर छापा, हड़कंपज्‌ बालाघाट के एक व्यवसायी से 55 लाख की वसूलीज्‌ किशनगढ़ में डीजीजीआईका छापाज्‌ जीएसटी का ऑपरेशन धमाका', पटाखाज्‌ रतलाम में 5 जगहों पर छापाज्मध्य प्रदेश में जीएसटी इंटेलिजेंस ने पकड़ी टैक्स चोरी ज्‌ कॉलोनी डेवलपर के दफ्तर पर जीएसटी का छापाज्‌ यूपी में शहर-शहर जीएसटीके छापे, शटर बंद कर भाग रहे व्यापारीज्यूपी के कई जिलों में जीएसटी विभाग की टीमें छापा मार कार्रवाई कर रही हैंज्‌ शामली बाजार पर जीएसटी कमिश्नर की छापेमारी, नाराज व्यापारियों ज्सीमेंट कंपनी के ठिकानों पर छापेज्‌ लखनऊ- सभी व्यापारियों के यहां नहीं पड़ेगा जीएसटी का छापा, जाने किसकी होगी जांचज्‌ जबलपुर मे जीएसटीका छापाज्‌ गुटखा व्यवसायी के ठिकानों पर छापाज्अजमेर के पड़ाव में जीएसटी टीम ने गुटखा व्यापारी के ठिकानों परज्‌ मुजफ्फरपुरज्‌ रामदूत रोलिंग मिल में जीएसटी का छापाज नोएडा स्टेट जीएसटी की छापेमारी मेंज छत्तीसगढ़ में कई कंपनियों पर छापेमारीज्‌ कोरबा और भाटापाराज नाइट क्लब और शराब दुकानों में मार छापाज्‌ किशनगढ़बास में मोबाइल की दुकान पर जीएसटी टीम का छापाज कासगंज में व्यापारियों ने छापेमारी का किया विरोध, व्यापारी से ही जीसटी इकठ्ठा होती है और उसी को नाजायज परेशान किया जाता है।ज्‌ आंदोलन की दी चेतावनीज्लखनऊ व्यापार मण्डल की कोर कमेटी की बैठक में 16 मई से शुरू होने वाले जीएसटी के विशेष अभियान की चर्चा हुई।

ज.जीएसटी का सर्वे डोर टू डोर ज सलेमपुर के व्यापारियों ने किया प्रदर्शनज्‌ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने

चीन के दबदबे को खत्म करने की भारतीय पहल

प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित 60 लाख की आबादी वाला छोटा-सा द्वीप पापुआ न्यू गिनी इन दिनों वैश्विक परिदृश्य में चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। चर्चा के दो बड़े कारण रहे हैं। पहला, विविधताओं से भरपूर इस छोटे से द्वीपीय देश ने पिछले दिनों फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कॉ-ऑपरेशन (एफआईपीसीआई) के शिखर सम्मेलन का आयोजन कर विश्व समुदाय के समक्ष अपनी नेतृत्व क्षमता का सफल प्रदर्शन किया। इस शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 14 राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया।

चर्चा का दूसरा बड़ा कारण पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे द्वार एयरपोर्ट पर भारत के प्रधानमंत्री के स्वागत के समय पांव छूने की तस्वीरें बनीं। संभवत- यह पहला अवसर है, जब किसी एक देश के प्रधानमंत्री ने स्वागत की रस्म अदायगी के दौरान किसी दूसरे देश के प्रधानमंत्री के पांव छुए हों। सामान्य तौर पर अतिथियों के स्वागत की औपचारिकता हाथ जोड़कर, हाथ मिलाकर या गले लगाकर पूरी की जाती है। मारापे ने पीएम मोदी के पांव छूकर भारत और भारत के प्रधानमंत्री के प्रति जो सम्मान और शिष्टाचार प्रकट किया है, उससे चीन की पेशानी पर बल पड़ते दिख रहे हैं।

पापुआ न्यू गिनी इंडोनेशिया के समीप प्रशांत महासागर क्षेत्र में एक स्वतंत्र राष्ट्र है, जो दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर क्षेत्र में द्वीपों का एक समूह है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यह क्षेत्र भयानक जंग का मैदान बना हुआ था। यहां सोने, तांबे और अन्य खनिज संसाधनों के बड़े भंडार हैं। विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति के कारण यह क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से भी खास अहमियत रखता है। ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में स्थित होने के कारण सामरिक रूप से पापुआ न्यू गिनी महत्वपूर्ण द्वीप माना जाता है। कई दशकों से यह द्वीप अमेरिका, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम जैसी बड़ी महाशक्तियों के लिए दिलचस्पी का कारण बना रहा है। लेकिन अब एक-डेढ़ दशक से अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों ने पापुआ न्यू गिनी को अपनी विदेश नीति में हाशिये पर धकेल दिया। चीन की नजरें पहले से ही इस द्वीप पर थीं। उसे अपने विस्तारवादी मंसबों को साधने और रणनीतिक रूप से खुद को मजबूत करने का स्पेस मिल गया। वह यहां सैन्य और राजनयिक प्रभाव को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उसने अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत यहां निवेश कर रखा है। उसकी नजर पापुआ न्यू गिनी के संसाधनों पर भी है।

पिछले साल नवंबर में बैंकॉक में पापुआ न्यू गिनी के पीएम के साथ बैठक में चीनी राष्ट्रपति ने मारापे को अपना अच्छा दोस्त और अच्छा भाई बताते हुए कई क्षेत्रों में सहयोग का आश्वासन दिया था। शी ने उन्हें चीन आने का न्योता भी दिया। संक्षेप में कहें तो 1980 के दशक में चीन-पापुआ न्यू गिनी के बीच शुरू हुआ आर्थिक संबंधों का यह सिलसिला अब सुरक्षा और रणनीतिक मसलों तक पहुंच गया है। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते में भी बंधे हुए हैं, जो दोनों के बीच करीबी संबंधों को दिखाता है। चीन का बढ़ता प्रभाव क्षेत्र न केवल ऑस्ट्रेलिया बल्कि पूरे इंडो पैसिफिक रीजन के लिए घातक हो सकता है। खासकर क्वाड (भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका) देशों के लिए। यही वजह है कि अब अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ भारत ने भी अपनी विदेश नीति में प्रशांत द्वीप के देशों के साथ संबंध बढ़ाने की शुरुआत की है। वहीं भारत ने 1991 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार के समय शुरू की गई लुक ईस्ट पॉलिसी को 2014 में एक्ट ईस्ट पॉलिसी में बदल दिया है। फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कॉ-ऑपरेशन (एफआईपीसीआई) को भी इसी से जुड़ी पहल के तौर पर देखा जा रहा है। एफआईपीसीआई का गठन 2014 में पीएम मोदी की फिजी यात्रा के दौरान किया गया था। इसमें 14 देशों के नेता भाग लेते हैं, जिनमें कुक आइलैंड्स, फिजी, किरिबाती, मार्शल आइलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, नीयू, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी, समोआ, सोलोमन आइलैंड्स, टोंगा, तुवालू और वानुआतु शामिल हैं।

जहां तक भारत-पापुआ न्यू गिनी संबंधों का सवाल है, तो भारत ने करीब अढ़ाई दशक पहले अप्रैल, 1996 में यहां अपना उच्चायोग शुरू किया था। इसके दस साल बाद 2006 में पापुआ न्यू गिनी ने भी भारत में अपना उच्चायोग शुरू किया। वर्ष 2016 में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पापुआ न्यू गिनी का दौरा करने वाले पहले भारतीय नेता थे। भारत पापुआ न्यू गिनी को टेक्सटाइल, मशीनरी, खाद्य पदार्थ, दवा, सर्जिकल उपकरण, साबुन, वॉशिंग पाउडर जैसे जरूरी सामान निर्यात करता है। दूसरी ओर, भारत कॉफी, टिंबर, समुद्री उत्पादन, सोना, कांसे जैसी जरूरी चीजें पापुआ न्यू गिनी से आयात करता है। पापुआ न्यू गिनी अक्सर ज्वालामुखी, भूकंप और समुद्री तूफान का शिकार रहा है। संकट के समय व अन्य जरूरी मौकों पर भारत पापुआ न्यू गिनी को मानवीय सहायता भी देता रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने पापुआ न्यू गिनी को कोरोना वैक्सीन की एक लाख 31 हजार खुराक दी। जाहिर है, भारत सामरिक रूप से इस छोटे देश के साथ संबंधों को रणनीतिक व आर्थिक स्तरों के जिस मुकाम तक ले जाना चाहता हैं, उसमें प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा कारगर साबित होगी।

शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन समय सीमा हो नहीं तो होगी कार्रवाई डीपीसी शिवपुरी

यू डाइस फीडिंग एवं सर्वे में अंतिम पायदान पर विकासखंड,ज़ीरो परीक्षा परिणाम वाले संस्था प्रभारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई :बीआरसीसी तोमर

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश के पालन में जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र शिवपुरी अशोक त्रिपाठी द्वारा बदरवास विकासखंड पर प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रभारियों की बैठक का आयोजन एक्सीलेंट स्कूल ऑफ स्टडीज बदरवास में किया गया। बैठक में समस्त संस्था प्रभारियों के साथ-साथ बीएसई एवं जन शिक्षक उपस्थित थे। शिक्षकों को संबोधित करते हुए डीपीसी के द्वारा शिक्षकों को अवगत कराया कि यदि कार्य समय सीमा में नहीं किया जाता तो वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई आपके खिलाफ की जावेगी।इसलिए शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन समय सीमा में करना सुनिश्चित करें।बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। उसके बाद अशासकीय विद्यालय एक्सीलेंट के प्राचार्य एवं संचालक द्वारा अतिथि देवो भवा की परंपरा का निर्वहन करते हुए डीपीसी सर का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बीआरसीसी अंगद सिंह तोमर द्वारा अवगत कराया, की विभिन्न कंपोनेंट को लेकर विकासखंड की स्थिति अच्छी नहीं है इस तारतम में बार-बार निर्देश देने के बाद भी कुछ संस्था प्रभारी कार्य नहीं कर रहे हैं, यू डाइस की स्थिति पर चर्चा की जाए तो अभी भी विकासखंड में 3000 से अधिक बच्चों की प्रोफाइल अपडेट संस्था प्रभारी द्वारा नहीं की गई है, जो की चिंता का विषय है।इस तारतम्य में डीपीसी के द्वारा उन संस्थाओं को चेतावनी दी गई,जिनका कार्य शत-प्रतिशत नहीं है वो पूरा समय सीमा में करे।यदि कार्य कर दिया गया है तो निर्धारित फॉर्मेट पर जानकारी और प्रमाणीकरण समस्त जन शिक्षक शुक्रवार तक जमा करेंगे। संस्था प्रभारी द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया जावेगा उनके खिलाफ वेतन वृद्धि रोकने के प्रस्ताव जिला शिक्षा केंद्र में सोमवार को भेजे जाएंगे। नए सत्र की शुरूवात जून माह में प्रारंभ होगी, संस्थाओं की रंगाई पुताई, साफ-सफाई, संस्था खुलने से पूर्व करना सुनिश्चित करेंगे। सभी संस्था प्रभारी शौचालय में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे जो हैंडपंप खराब है उनकी सूची बनाकर विकासखंड स्तर पर तत्काल जमा करना सुनिश्चित करेंगे। स्कूल प्रारंभ होने पर किसी भी हालत में शौचालय बंद नहीं रहेगा नहीं तो संस्था प्रभारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। कक्षा 5 और 8 की पुनः परीक्षा जून माह में होगी, जो बच्चे परीक्षा में अनुपस्थित रहे उन्हें अभी से ट्रैक करना सुनिश्चित करें एवं उन्हें अवगत कराएं कि उनकी परीक्षा अति शीघ्र होगी। बदरवास विकासखंड में सबसे अधिक बच्चे परीक्षा में अनुपस्थित रहे हैं। परीक्षा की तैयारियां कराना सुनिश्चित करें, विकास खंड का परीक्षा परिणाम भी अच्छा नहीं रहा है। जिन स्कूल का एक भी बच्चा पास नहीं हुआ है उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।शाला त्यागी बच्चो का सर्वे किया जाना था उसकी स्थिति भी अच्छी नहीं है, विकासखंड अंतिम पायदान पर है। सोमवार तक सर्वे का कार्य कर पुरा कराकर जन शिक्षक प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करेंगे। पुस्तक वितरण समय सीमा में प्रारंभ किया जावेगा। नेशनल अचीवमेंट सर्वे गणित एवं हिंदी विषय का कक्षा 4 से कक्षा 8 तक के बच्चों का किया जाना है इस हेतू हिंदी का 27 से 3 जून तक एवं गणित का द्वितीय सप्ताह में होगा। लिंक व्हाट्सएप के माध्यम से आपको प्रेषित की जाएगी जिसमें विभिन्न प्रश्न बच्चों के लिए प्रेषित किए जाएंगे। आपको मोबाइल के माध्यम से शिक्षकों का सहयोग लेते हुए यह कार्य समय सीमा में पूर्ण करना है हर जन शिक्षा केंद्र को 1000 बच्चों का लक्ष्य दिया गया है, यदि किसी भी जन शिक्षा केंद्र में इससे कम बच्चे से सहभागिता करते हैं प्रभारी एवं जन शिक्षक उत्तरदाई होंगे ऐसे निर्देश राज शिक्षा केंद्र द्वारा दिए गए हैं। अतः दिए गए लक्ष्य के अनुरूप से सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। सीएम हेल्पलाइन को संतुष्टि पूर्वक बंद कराना अनिवार्य है। ऐसे डुप्लीकेट बच्चे जो आपकी संस्थाओं में अध्ययनरत हैं, जिनकी सूची आपको प्रेषित की गई है उन्हें तत्काल हटाना सुनिश्चित करें, एवं जानकारी निर्धारित फॉर्मेट पर कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करेंगे। जिन संस्था प्रभारी द्वारा आज दिनांक तक प्रोजेक्ट तथा इंटरनल मार्क्स नहीं चढ़ाये जिसके कारण बच्चों को अनुत्तीर्ण घोषित किया गया है,

शिक्षा भारती बाल निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल शिवपुरी के आदित्य जाटव और निखिल जाटव ने मध्यप्रदेश की मेरिट सूची में पाया दसवां स्थान

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-आज माध्यमिक शिक्षा मण्डल बोर्ड का 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ है, शिवपुरी के प्रसिद्ध स्कूल शिक्षा भारती बाल निकेतन हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्रों ने स्कूल का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया हैं। स्कूल के दो छात्रों ने प्रदेश के प्रावीण्य सूची में स्थान पाकर उपलब्धि हासिल की हैं। आज इन बच्चों का स्कूल में सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं ने माला पहनाकर उत्साहवर्धन किया है। मिठाई खिलाकर उनका सम्मान किया तथा बच्चों के माता पिता ने सभी टीचर्स को माला पहनाकर सम्मानित कर धन्यवाद दिया। उनके पिता का कहना था, कि हमारे बच्चों के लिए स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने पूर्ण रूप से मेहनत की हैं। यह सम्मान के हकदार हैं, साथ ही सभी गुरुजनों ने दोनों छात्रों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामना दी हैं। आदित्य जाटव पुत्र गोपाल कुमार जाटव कक्षा 10वी मध्यप्रदेश की मेरिट सूची में नवां स्थान-486/500-97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किये, वहीं दूसरे निखिल जाटव पुत्र ब्रजेश जाटव ने 10वीं में 485/500—97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मध्यप्रदेश में 9वां स्थान प्राप्त कर जिले व स्कूल का नाम रोशन किया। आदित्य और निखिल ने बताया कि जहां हम इस मुकाम पर पहुंचे तो सिर्फ और सिर्फ हमारे क्लास टीचर और प्रिंसिपल के कारण, क्योंकि हमें पढ़ने के लिए हमारे प्रिंसिपल सर सुनील कुशवाह व सुधीर कुशवाह हमें क्लास में आकर मोटिवेट करते रहते थे। और हमारे क्लास टीचर्स मुकेश तिवारी,विवेक धाकड़, वीरू लाल जाटव, राजेश शर्मा,प्रकाश सर, हदेश शर्मा सर आदि सभी स्टाफ ने हमारी बहुत हेल्प की। हमें पढ़ते समय जो भी डाउट्स हुआ करते थे। वह सब एक बार में क्लियर कर देते थे।

मैकेनिक का बेटा प्रदेश की टॉप सूची में-निखिल के पिता मैकेनिक का काम करते हैं। वह मेहनत मजदूरी कर घर का गुजारा करते हैं, और दूसरी ओर हम बात करें तो निखिल की बड़ी बहन काजल ने भी 10 में टॉप किया था, उसके बाद निखिल के बड़े भाई प्रियांशु ने भी 10 में टॉप किया था। और आज छोटे भाई ने भी मध्य प्रदेश में 10 वीं रैंक हासिल कर एक रिकॉर्ड तैयार कर दिया। हालांकि निखिल से पूछा गया कि आगे तुम क्या बनना चाहते हो तो निखिल ने बताया कि में कलेक्टर बनना चाहता हूं। और अपना सपना पूरा करने के लिए में आगे बहुत मेहनत करूंगा। तथा ऐसे ही आगे बढ़कर अपने माता पिता का नाम रोशन करूंगा।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना- युवाओं के लिये लर्न एण्ड अर्न

7 जून से संस्थानों और 15 जून से युवाओं का होगा पंजीयन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के युवाओं के लिये लर्न एण्ड अर्न की तर्ज पर रोजगार के लिये कौशल सिखाने ÷मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना लागू की है। युवाओं को उद्योगों के साथ सर्विस सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण के साथ स्टाईपेंड भी दिया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारा संकल्प है कि युवाओं को बेरोज़गार नहीं रहने देंगे। इस उद्देश्य से युवाओं को रोजगार के लिए कौशल सिखाने नई योजना लागू की जा रही है। युवाओं को कौशल सीखने के साथ भुगतान भी किया जाएगा। कौशल प्रशिक्षण के लिए कंपनियों और सर्विस सेक्टर को जोड़ा जाएगा। नई योजना, युवाओं में क्षमता संवर्धन कर उन्हें पंख देने की योजना है, जिससे वे खुले आसमान में ऊँची उड़ान भर सकें और उन्हें रोज़गार, प्रगति और विकास के नित नए अवसर मिलें।

प्रशिक्षणार्थियों को स्टाईपेंड-मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में एक लाख युवाओं को 703 चिन्हित क्षेत्रों में दक्ष करने का प्रारंभिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो आवश्यकता अनुसार ब?ाया जा सकेगा। योजना में मध्यप्रदेश के 18 से 29 वर्ष के स्थानीय निवासी 5वीं से 12वीं उत्तीर्ण युवा को 8 हजार रूपये, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हजार 500 रूपये, डिप्लोमाधारी को 9 हजार रूपये और स्नातक या उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले युवाओं को 10 हजार रूपये प्रतिमाह स्टाईपेंड दिया जायेगा। राज्य शासन की ओर से निर्धारित स्टाईपेंड की 75 प्रतिशत राशि प्रशिक्षणार्थियों को डीबीटी से भुगतान की जायेगी। संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा निर्धारित न्यूनतम स्टाईपेंड की 25 प्रतिशत राशि प्रशिक्षणार्थियों के बैंक खाते में जमा करानी होगी। प्रतिष्ठान अपनी ओर से निर्धारित राशि से अधिक स्टाईपेंड देने के लिये स्वतंत्र होंगे।

पंजीयन प्रक्रिया-योजना में ट्रेनिंग देने वाली संस्थाओं का पंजीयन 7 जून से और युवाओं का पंजीयन 15 जून से शुरू होगा। युवाओं का प्लेसमेंट 15 जुलाई से होगा। राज्य शासन और ट्रेनिंग देने वाली संस्थाओं के मध्य 31 जुलाई को अनुबंध होगा। योजना में युवाओं को एक अगस्त से प्रशिक्षण दिया जाना शुरू हो जायेगा। योजना में चिन्हित प्रतिष्ठानों का पेन एवं जीएसटी पंजीयन अनिवार्य होगा। प्रतिष्ठान अपने कुल कार्य-बल के 15 प्रतिशत की संख्या तक प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दे सकते हैं। जिन प्रतिष्ठानों में कम से कम 20 लोग नियमित रूप से कार्यरत हों, उनके कुल कार्य-बल की गणना ईपीएफ जमा करने के आधार पर की जायेगी। युवाओं को स्टाईपेंड एक वर्ष तक दिया जायेगा। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना%% के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में साधिकार समिति का गठन किया गया है। समिति में वित्त, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, श्रम, उच्च शिक्षा के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव सदस्य मनोनीत किये गये हैं। प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार समिति के सदस्य सचिव होंगे।

चिन्हित कार्य-क्षेत्र-योजना में युवाओं को प्रशिक्षण के लिये 703 कार्य-क्षेत्र चिन्हित किये गये हैं। इसमें विनिर्माण क्षेत्र, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल, प्रबंधन, मार्केटिंग, होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म, ट्रायबल, अस्पताल, रेलवे, आईटी सेक्टर, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, बैंकिंग, बीमा, लेखा, चार्टर्ड अकाउंटेंट, मीडिया, कला, कानूनी और विधि सेवाएँ, शिक्षा प्रशिक्षण, सेवा क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठान आदि को शामिल किया गया है।

शिवपुरी पुलिस की वारंटियों के खिलाफ कार्यवाही जारी

लूट डकैती के मामले के 5 साल से फरार स्थाई वारंटी को पुलिस थाना फिजिकल ने किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश कुमार सिंह के निर्देशन मे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया एवं एसडीओपी शिवपुरी श्री अजय भार्गव के मार्गदर्शन में गिरफ्तारी व स्थाई वारंटी तामील कराने का अभियान चलाया जा रहा है इसी तारतम्य थाना प्रभारी फिजीकल उनि. अरबिंद छारी के नेतृत्व में पुलिस थाना फिजीकल की टीम ने आज लूट एवं डकैती के मामले मे 5 साल से फरार स्थाई बारंटी विशाल पुत्र लालू कोरी उम्र 23 वर्ष निवासी संजय कॉलोनी को फिजिकल थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मे पेश किया है ।

अति. पुलिस महानिरीक्षक एवं अधीक्षक शिवपुरी द्वारा जिले के समस्त एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों के साथ ली क्राइम मीटिंग

अपराधों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशानिर्देश दिये

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- दिनांक 25.05.2023 को पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी मे अति. पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर झोन ग्वालियर श्रीमती कृष्णावेनी देसावातु एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह द्वारा जिले के समस्त एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों के साथ क्राइम मीटिंग ली । अति. पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाने हेतु अधिक से अधिक प्रयास करने हेतु निर्देशित किया अति. पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा क्राइम मीटिंग मे निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गयी । थानो मे फरियादी के साथ आदर्श व्यवहार किया जाये एवं पीड़ित को तत्काल पुलिस सहायता पहुंचाई जाये । थाने मे आने बाले प्रत्येक व्यक्ती की सुनवाई की जावे । महिला संबंधी अपराधों मे तुरंत कार्यवाही करते हुए जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जावे । सभी थानों द्वारा प्रतिदिन दिन शहर/कस्वों मे शाम के समय पैदल मार्च किया जावे । शराब की बिक्री केवल अधिक्रत दुकानों पर ही हो खुले एवं अवैध शराब की विक्री पर पूर्णतः प्रतिवंध लगाया जावे । आगामी चुनावों को देखते हुये अपराधों की रोकथाम हेतु ज्यादा से ज्यादा प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जावे । सभी अधिकारी अपने क्षेत्रांतर्गत आबकारी दुकानों पर सीसीटीव्ही कैमरे लगाने हेतु संबंधितों को निर्देशित करेंगे । सीएम हेल्पलाइनों के निराकरण हेतु संबंधित एसडीओपी एवं थाना प्रभारी सिबिर का आयोजन कर निराकरण करेंगे । नाबालिक बालक बालिकायों की ज्यादा से ज्यादा दस्तयावी की कार्यवाही करेंगे । लंबित मर्गो का निकाल सत प्रतिसत किया जाना सुनिश्चित करेंगे । भ्रष्टाचार किसी भी प्रकार का स्वीकार नहीं किया जावेगा, कोई अधिकारी/कर्मचारी किसी प्रकार के भ्रष्टाचार मे संलिप्त पाया जाता है तो कठोर कार्यवाही की जावेगी।

अच्छी फिटनेस के लिए खेलना जरूरी: सीईओ उमराव सिंह मरावी

रामस्वरूप रजक
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी, शिवपुरी में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शिक्षा विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वधान में आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में बैडमिंटन खेल का प्रशिक्षण श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर में दिया जा रहा है। गुरुवार को यहां पर जिला पंचायत के सीईओ उमराव सिंह मरावी, मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के अरुण शर्मा ने बैडमिंटन खेलने वाले बच्चों से मुलाकात की और यहां पर बच्चों को मेडल वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल स्टेडियम पर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत शिक्षा विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समर कैंप का आयोजन चल रहा है। इसी दौरान बैडमिंटन के लिए भी बड़ी संख्या में बच्चे आते हैं। खेल परिसर पर शिक्षा विभाग के खेल अधिकारी महेंद्र सिंह तोमर और जिला खेल अधिकारी के.के.खरे के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण चल रहा है। प्रशिक्षण में शामिल होने वाले बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए गुरुवार को खेल स्टेडियम पहुंचे जिला पंचायत के सीईओ उमराव सिंह मरावी ने कहा कि अच्छी फिटनेस लिए खेल जरूरी है। शिवपुरी में इतना अच्छा स्टेडियम मौजूद है, स्थानीय खिलाड़ियों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण में आने वाले बच्चों का उत्साह वर्धन किया। इस मौके पर बैडमिंटन कोच राजीव श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, ललित शर्मा, वरिष्ठ व्याख्याता अशोक गुप्ता भी मौजूद रहे जिन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

व्यवस्था परिवर्तन के लिए यात्रा : देवभोग पहुंची छत्तीसगढ़ स्वाभिमान रथ यात्रा, वीरेंद्र पांडेय ने कहा राजनीति के शुद्धिकरण के लिए जनता को जगाना जरूरी

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद. व्यवस्था परिवर्तन के लिए स्वाभिमान पार्टी की ओर से निकाली गई छत्तीसगढ़ स्वाभिमान रथ यात्रा देवभोग पहुंची. यात्रा का नेतृत्व कर रहे संस्थापक अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने कहा, राजनीति के शुद्धिकरण के लिए जनता का जागना जरूरी है.आपको बता दें कि अमरकंटक से लगे कबीर चौरा गांव से इस यात्रा की शुरुआत 6 अप्रैल को की गई थी. सरगुजा बिलासपुर संभाग होते हुए महासमुंद जिले से यह यात्रा सीधे देवभोग पहुंची. भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके वीरेंद्र पांडेय व स्वाभिमान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पूरन छाबरिया इस यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं. भिलाई के संत गौतम भी उनके साथ हैं. आज सुबह रथ यात्रा देवभोग नगर का भ्रमण किया. नेतृत्वकर्ताओं ने जनता से सीधा संपर्क कर उनसे सवांद करने के अलावा पांपलेट भी वितरित किया. जनता को लोकतंत्र की परिभाषा को विस्तार से समझाया जा रहा है.बताया जा रहा है कि जनता जिसे चुनती है वही जनता का अनदेखी करता है, जबकि राजा व नौकरशाह का सारा खर्च व वीआईपी सुविधा जनता द्वारा दी जाने वाली टैक्स से होती है. वीरेंद्र पांडेय ने कहा कि फिर भी थाने में रिपोर्ट लिखाना हो या पटवारी से नकल निकलवाना हो तो जनता को मशक्कत करना क्यों प?ता है. पांडेय ने सवाल किया कि लोकतंत्र में जनता के बजाए नौकरशाह को लगातार बड़ोतरी के बजाए आम नागरिक के आवास, पेंशन व अन्य जरूरतों के लिए बजट में बड़ोतरी की जरूरत है.

ज्यादा अहिमियत क्यों, किसान, व्यापारी, धोबी, मोची ये सभी सेवा करते हैं, इन्हे भी 60 साल के उम्र के बाद कम से कम 5 हजार रुपए पेंशन दिए जाने चाहिए. ये सभी संभव भी है. राजधानी में 500 करोड़ के सीएम व राज्यपाल आवास की जरूरत क्यों, कम में भी बनाया जा सकता है. सांसद, विधायक व नौकरशाह के पेंशन में

जनता से खड़े होने वाले प्रत्याशी को हमारा समर्थन–सरकार अगर जन सरोकार को प्राथमिकता से नहीं लेगी तब तक यह संभव नहीं है. हम इसी व्यवस्था को बदलने का अभियान चला रहे हैं. पांडेय ने राजनीतिक दलों पर तंज कसते हुए कहा, एक नागनाथ,दूसरा सांप नाथ तो तीसरा विषनाथ है, जबकि हमें जनता के सरोकार रखने वाले लोकनाथ की जरूरत है. पांडेय ने कहा, हमारा पार्टी भले ही राजनीति है, पर हम चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि जनता द्वारा खड़े किए गए प्रत्याशी का सपोर्ट कर व्यवस्था परिवर्तन में सहभागी बनेंगे. रथ यात्रा के दरम्यान बताए जा रहे बातों को लोगों ने ध्यान से सुना और हामी भरकर समर्थन भी किया. दो घंटे के जन संपर्क के बाद यात्रा धमतरी जिले के लिए निकल गई.

लोगों को जागरूक कराना हमारा लक्ष्य–वीरेंद्र पाण्डेय ने प्रेसवार्ता में बताया कि राजनीति के शुद्धिकरण के लिए हम इसका शीर्षासन करा रहे हैं. हमें चुनाव लडना नहीं है पर चुनने के पहले लोगों को जागरूक कराना हमारा लक्ष्य है. रमन सरकार की अनुमति पर चिटफंड कम्पनी चलाई गई, जनता के करोड़ों की गाड़ी कमाई इसमें फंस गया. फंसे रकम को निकालने भूपेश सरकार ने चुनावी घोषणा पत्र में ऐलान किया. अब तक कुछ प्रतिशत रकम ही मिल सका. सरकारी खजाने से इस पैसे को दिया जा सकता है. व्यवस्था पर प्रश्न उठाते हुए पांडेय ने कहा, राज्य, केंद्र के अलावा तीसरी सरकार ग्राम सरकार है, जिसे पंचायत कहते हैं. जनता को यहां से सीधी सुविधा मिल सकती है. पर्याप्त बजट व सरकार के तर्ज पर यह सुविधाएं दी जानी चाहिए.

कलेक्टर प्रभात मलिक सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने झीरम श्रद्धांजलि दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद,। झीरम श्रद्धाजलि दिवस पर आज जिला कार्यालय सहित जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कलेक्टोरेट में कलेक्टर प्रभात मलिक सहित सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने झीरम घाटी में नक्सल हिंसा के शिकार हुए जनप्रतिनिधि, सुरक्षा बल के जवान एवं विगत वर्षों से लेकर वर्तमान तक नक्सल हिंसा में शहीद हुए अन्य सभी भाईयों-ब.हनों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही राज्य में अहिंसा और सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास व्यक्त करते हुए सभी प्रकार के नक्सलवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने व राज्य को पुनः शांति का टापू बनाने का संकल्प लिया गया। ज्ञात हो कि एक दशक पूर्व 25 मई 2013 को बस्तर के झीरम घाटी में नक्सल हमले में छत्तीसगढ़ के कई वरिष्ठ राजनेता एवं सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत, डिप्टी कलेक्टर टी.आर. देवांगन सहित सभी अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

हाथियों का दल फिर लौटा उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के जंगल में, ग्रामीणो में भारी दहशत

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। लंबे समय के बाद हाथियों का दल एक बार फिर उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के जंगल में अपनी उपस्थिति दी है, आज रिसगांव वनपरिक्षेत्र के जंगल के तालाब में 32 से 34 हाथियों का दल शाम 06 बजे के आसपास अठखेलियां करते नजर आए और हाथियों का दल सड़क पर सीतानदी अभ्यारण्य क्षेत्र में विचरण कर रहा है।उंदती सीतानदी टाईगर रिजर्व के उपदिशेक वरूण जैन ने बताया कि सिकासार दल के नाम से यह 32 से 34 हाथियों का दल धमतरी क्षेत्र के जंगल से उदंती सीतानदी के जंगल में पहुंच चुका है, और वन विभाग का मैदानी अमला लगातार हाथी प्रभावित क्षेत्रो में पहुंचकर मुनादी कर व गजराज वाहन व हाथी मित्रदल के सदस्यों के माध्यम से ग्रामीणो को सूचना दिया जा रहा है और हाथियो के दल से ग्रामीणों को सुरक्षित रखने वन विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

कैटपदर और कुसुमजोर पंचायत का सीमा विवाद सुलझाने पहुँचे ओड़िसा और छत्तीसगढ़ के अधिकारी,

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग। छत्तीसगढ़ के कैटपदर पंचायत और ओड़िसा के कुसुमजोर पंचायत के बीच चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए दोनों राज्यों के राजस्व अधिकारियों के साथ ही जनपद पंचायत के अधिकारी आज सीमा विवाद वाले सड़क पर पहुँचे.. छत्तीसगढ़ के तरफ से देवभोग ब्लॉक के तहसीलदार जयंत पटले और जनपद सीईओ प्रतीक प्रधान ने विवाद सुलझाने के लिए कमान संभाला था, तो वहीं ओड़िसा की तरफ से नुवापाड़ा के एसडीएम सुभाष चंद्र रायत और वीडियो सर्वश्वर जाल भी मौके पर पहुँचकर विवाद को सुलझाने के लिए डटे रहे, इस दौरान दोनों राज्यों के राजस्व अमले ने अपना रिकॉर्ड लेकर पुरे सड़क का निरीक्षण किया.. निरीक्षण के बाद देवभोग तहसीलदार जयंत पटले ने बताया कि सीमा विवाद जनवरी में सामने आया था, वहीं विवाद के बाद आज पहली बार दो राज्यों के अधिकारियों ने संयुक्त दौरा किया है..तहसीलदार ने माना कि निश्चित रूप से सीमा का विवाद है,वहीं सीमा का यह सड़क कुछ जगह ओड़िसा के सीमा में दिख रहा है, तो कुछ जगह छत्तीसगढ़ की सीमा में दिख रहा है..तहसीलदार ने कहा कि दोनों सरपंचों में सहमति हो गई है कि वे आपस में चर्चा करके सड़क में काम करेंगे.. तहसीलदार ने यह भी कहा कि चुंकि केंद्र सरकार की योजना में एक काम के ऊपर दूसरा काम तीन साल तक नहीं कर सकते, ऐसे में दोनों सरपंच आपस में समन्वय स्थापित कर काम करेंगेज्वहीं देवभोग जनपद पंचायत के सीईओ प्रतीक प्रधान ने कहा कि इसे सीमा विवाद का नाम देना गलत है, यह दो पंचायत के बीच का मामला है, चूंकि ओड़िसा के कुसुमजोर पंचायत में मनरेगा के तहत मुरमीकरण का काम स्वीकृत हुआ है..वहीं इससे पहले कैटपदर पंचायत के द्वारा पुलिया का काम करवाया गया था..सीईओ ने यह भी कहा कि ग्राम पंचायतों के बीच आपसी समन्वय नहीं होने के चलते बात बढ़ जाती है और इसे सीमा विवाद का नाम दे दिया जाता है..सीईओ प्रधान ने यह भी कहा कि ओड़िसा के कुसुमजोर पंचायत के सरपंच स्वीकृत कार्य का आदेश कॉपी और पंचायत प्रस्ताव की कॉपी भी छत्तीसगढ़ के कैटपदर पंचायत को सौपेंगे, इसके बाद दोनों की आपसी सहमति के बाद काम शुरू होगा.. वहीं ओड़िसा से आये अधिकारियों ने भी दोनों सरपंचों को समन्वय स्थापित कर काम करने का सलाह दिया.. वहीं मौके पर मौजूद दोनों सरपंचों ने भी आपसी सहमति से कार्य करने की बात कहीमनरेगा योजना के नियमों का पालन कर दोनों सरपंच करेंगे काम-देवभोग जनपद सीईओ प्रतीक प्रधान और ओड़िसा के कापसी सीनापाली के वीडियो सर्वेश्वर जाल ने संयुक्त बयान जारी कर बताया कि दोनों पंचायत के सरपंच मनरेगा नियमों का पालन करते हुए काम करेंगे.. देवभोग जनपद सीईओ ने कहा कि केंद्र सरकार की मनरेगा योजना में जहाँ एक बार काम स्वीकृत हुआ, इसके बाद अगले तीन साल तक सम्बन्धित जगह पर काम स्वीकृत नहीं होता..वर्क कोड भी जनरेट होता है, जो भी वर्क कोड के साथ ओवर लेपिंग करता है, उसकी रिपोर्ट केंद्र तक जाती है.यदि कोई पंचायत तीन साल के अंदर वहां काम स्वीकृत करवा लेता है, तो उसके ऊपर कार्रवाई का भी प्रावधान हदोनों सरपंचों का दावा.. ये हमारी है सीमा-~ सीमा विवाद सुलझाने पहुँचे अधिकारियों के सामने दोनों पंचायत के सरपंच अपने दावे पेश करते रहे, पहले कैटपदर की सरपंच श्रीमती संजूलता नागेश ने कहा कि मेरे सरपंच बनने के बाद दो पुलिया का काम वहां हुआ है, ज़ब ओड़िसा का सड़क था, तो पुलिया निर्माण के दौरान किसी ने क्यों विरोध नहीं किया.. ज़ब मैंने जनवरी में मुरम कार्य का विरोध कर अधिकारी को अवगत करवाया, तो अब जाँच के बाद अपनी सड़क बता रहे है, जबकि ओड़िसा के कुसुमजोर पंचायत के सरपंच उदितप्रताप सिंग ज्योति ने बताया कि सड़क ओड़िसा के नक्शे में भी दिखा रहा है.. उदित के मुताबिक ओड़िसा बॉर्डर में बाग़पारा, चिनागुन पारा और मुंदेबाहाल पारा के करीब 400 लोग निवासरत है.. पांच साल पहले मैंने मेरे पहले कार्यकाल में पूर्व सरपंच का एनओसी लेकर मुरम का कार्य भी किया था.. अभी सड़क के लिए 2700 मीटर का 6 लाख रूपये का मुरमीकरण का काम स्वीकृत हुआ है.. हालांकि दोनों सरपंचों का दावा अधिकारियों के नतीजों के बाद ठंडे बस्ते में चला गया.. दोनों ने अधिकारियों के फैसले पर हामी भरकर आपसी सहमति से काम करने की बात पर हामी भी भरा

देवभोग कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में शुरू हुआ ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग के आवासीय कस्तूरबा विद्यालय में ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर की शुरुवात किया गया।बीईओ डी एन बघेल की मौजूदगी में शहीद भोजराम के पिता जगेश्वर टानडिल्य ने गोला फेंक कर इसका शुभारंभ किया।इस मौके पर मौजूद खेल प्रभारी दुर्गेश चंद्र टांडिल्य ने बताया कि इस शिविर में खो खो,कबड्डी, एथलेटिक्स, व्हालीबाल जैसे खेलो का प्रशिक्षण दिया जाएगा।सुबह 6 बजे से 8 बजे तक एवम संध्या 5 बजे के बाद की अवधी में प्रतिदिन कराया जाना है।अन्य संस्थान के ईच्छुक खिलाड़ी भी पंजीयन करवा कर इसमें भाग ले सकेंगे।संस्था की अधीक्षिका उषा देवी वैष्णव ने बताया की कलेक्टर के निर्देश पर पिछड़ी इलाके के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए यह निशुल्क प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है।

मानव सेवा के लिए वरदान साबित हो रही जय भोले सेवा समिति सुतीक्षण महाराज

शाहाबाद हरदोई।शाहाबाद के प्रसिद्ध संकटा देवी मंदिर प्रांगण में जय भोले सेवा समिति द्वारा निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 52 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया प्रबंधक दीक्षित ने कहा कि दीन दुखियों के दिलों से रिश्ता जोड़ कर बनी महान जय भोले सेवा समिति वह समिति द्वारा निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन करना बहुत पुण्य का काम है।मानव सेवा में किसी के नेत्र को रोशनी देने से बड़ा पुण्य कोई नहीं है।उन्होंने शंकरा आई हॉस्पिटल के डाक्टरों की टीम की भी सराहना की। सुतीक्षण गुरु जी ने कहा कि नेत्र शिविर बहुत पुण्य का काम है।जय भोले सेवा समिति के पदाधिकारी साधुवाद के पात्र हैं।इनके द्वारा मानव सेवा के जो कार्य किए गए या किए जा रहे हैं वे सराहना करने योग्य हैं। जय भोले सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जी ने कहा कि मेरा भगवान पीड़ितों में जिस व्यक्ति ने वृद्ध जनों में भगवान का दर्शन ना कर पाया वह कभी पत्थरों में भगवान को नहीं पा पाएंगे समिति मंत्री पूजा गुप्ता जी ने कहा के हमारी समिति इंसानों में भगवान का दर्शन करती है उत्तर प्रदेश के लोग हमारा परिवार है उनकी मदद करना हमारी जिम्मेदारी है इस मौके पर लालाराम दीक्षित राम सिंह राठौर मयंक राजपूत तैय्यब खां शिवपूजन राठौर मदन सिंह आफताब अली राठौर सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतापपू हरिजन टोले के चार मजदूर की बेटी ने मेट्रिक प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर पिता और प्राईवेट शिक्षक का हौंसला बुलंद किया

गरीब मजदूर की बेटी आगे की पढ़ाई कर देश की सेवा करने की उम्मीद रखी

दुमका/झारखंड।झारखंड अधिविध परिषद के और मेट्रिक और इंटर की परीक्षाफल मंगलवार को जारी हूआ । बताते चलें कि दुमका ज़िले के रानीश्वर प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणजोड पंचायत के प्रतापपूर गांव के हरिजन टोले के चार मजदूर की बेटी ने मेट्रिक का परीक्षा परिणाम प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर मजदूर पिता एवं प्राईवेट शिक्षक का हौंसला बुलंद किया । बताते चलें कि प्राईवेट में बच्चों को कम समय पर बेहतर तैयार करने का मौका मिला। प्राईवेट शिक्षक गियासुद्दीन अंसारी ने कहा कि बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं । उत्तक्रमीत उच्च विद्यालय बोराडंगाल के छात्रा हैं विधालय में शिक्षक कमी कारण सभी विषय कि प?ाई नहीं होता था । 363 नंबर लाकर मंजू मिर्धा, पिता रामकृष्ण मिर्धा माता अनू देवी , 383 नंबर लाकर ज्योति मिर्धा पिता नारायणन मिर्धा मता बबिता मिर्धा ,360 नंबर लाकर अंजलि मिर्धा पिता संतोष मिर्धा माता गंगा देवी, 363 नंबर लाकर जयंती राय पिता रामानंद राय माता संजीता राय इन सभी ने बताया कि क्ड़ी मेहनत और माता पिता के पुर्ण सहयोग से ये मुकाम पाया । इसलिए एक काह्त में कहता है कि मंजिल उन्हें मिलती जिनके सपनों में जान होती हैं पंख से कूछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती हैं । इन सभी ने बताया की आगे की पड़ाई कर देश की सेवा करेगे ।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय व मुख्य सचिव महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा गया

आज प्रदेश के पांच प्रमुख बड़े संगठन मध्य प्रदेश लिपिक वर्ग, मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग, मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ, मध्य प्रदेश वाहन चालक संघ, मध्य प्रदेश पेंशनर एसोसिएशन कर्मचारी संघ, द्वारा कर्मचारी एवं पेंशनरों की लंबित मांगों को लेकर प्रांतीय आवाहन पर आज दिनांक 25 5 2023 को जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट पर अपनी न्योयचित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया जिस पर 17 सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु ए.डी.एम श्री नरोत्तम भार्गव जी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय व मुख्य सचिव महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा गया

इसमें प्रमुख रूप से- रामनरेश डण्डोतिया तृतीय कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष मुरैना,देवेन्द्र यादव लिपिक वर्ग अध्यक्ष, राजेन्द्र भारती लघुवेतन कर्मचारी अध्यक्ष ,राममूर्ति डण्डोतिया लघुवेतन कर्मचारी उप प्रांताध्यक्ष नीरज बंशल सचिव मुरैना चेतन्य बेसबाल,योगेन्द्र सिंह,देवेश पवार,दीनानाथ कस्यप,जुदेश खां, कृष्णकांत शर्मा,नवनीत वर्मा,गोरव तिवारी, दिव्यांश. सिकरवार, के.पी.शर्मा विवेक मिश्रा,रामगोपाल, श्रीमती नीलम शर्मा, श्रीकांत शर्मा, प्रशांत डण्डोतिया, अरुण श्रीवास्तव, मनमीत ,सोनू आदि प्रमुख उपस्थित थे उक्त कृम में 26/05/2023 को दोपहर एक बजे से दो बजे तक धरना प्रदर्शन कर कल ज्ञापन पुनः सोपा जायेगा शभी कर्मचारी साथी कलेक्टर परिसर में एकत्रित हो।

सुबह और शाम के नाश्ते में बनाएं राजमा संडल

हर गृहिणी की सुबह उठते ही नाश्ते की चिंता सताने लगती है। बच्चों

को स्कूल लंच समय में क्या बनाकर भेजना है और परिवार के अन्य सदस्यों को क्या खिलाना है यही सोच उन्हें परेशान करती है। आज हम अपने पाठकों को सुबह के नाश्ते के लिए राजमा संडल के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें आप आसानी से सप्ताह में दो बार तो कम से कम अपने परिवार को बना कर खिला सकती है, क्योंकि इसका स्वाद ही लाजवाब होता है।राजमा संडल की सामग्रीराजमा- 1 कप,हरी मिर्च और अदरक पेस्ट- 1 छोटा चम्मच,नारियल- 2 बड़े चम्मच किसा हुआनींबू का रस- 1 छोटा चम्मच,हरा धनिया- सजाने के लिए,तेल- 1 बड़ा चम्मच,राई- आधा छोटा चम्मच,उड़द दाल- 1 छोटा चम्मच,कढ़ी पत्ते- 7-8,साबुत लाल मिर्च- 1,हींग- 1 चुटकी।नमक स्वादनुसार।बनाने की विधिराजमा को रातभर पानी में भिगोकर रखें। पानी निथारकर सादे पानी से धो लें। कुकर में राजमा को आधा छोटा चम्मच नमक और डेढ़ कप पानी के साथ चार सीटी आने तक पका लें। पानी निथारकर एक तरफ रख दें। अब पैन में तेल गर्म करके राई तडक़ाएं। उड़द दाल डालकर गुलाबी भून लें। हींग, कढ़ी पत्ते और लाल मिर्च तडक़ाएं। फौरन हरी मिर्च-अदरक का पेस्ट मिलाएं। राजमा मिलाकर मध्यम आंच पर कुछ मिनट चलाते हुए भूनें। आंच बंद कर नारियल मिलाएं। नींबू का रस और हरा धनिया डालकर परोसें।

कहां से आई इडली सात समंदर पार से!

आप इडली के कितने जायकों से वाकिफ हैं। आप चकरा जाएंगे अगर ये कहा जाए कि इडली के रूप रंग, मसाले, स्वाद और बनाने की सामग्री इतनी अलग-अलग तरह से इस्तेमाल होती है तो 50-100 तरह की इडली देश से विदेश तक में खाने को मिल जाएगी। इडली बनने के बाद अब तो इसके भी अलग-अलग जायके बनने लगे हैं। डीप फ्रायड इडली से लेकर इडली चाट और ग्रेवी इडली तक... न जाने क्या-क्या डिलिशियस फ्यूज़न इडली के साथ। आप कभी इडली को कई टुकड़ों में काटकर डीप फ्राई करके मसालेदार ग्रेवी में इसका जायका चखें या फिर टुकड़ों में डीप फ्राई इडली को शिमला मिर्च, गाजर और सोया सॉस के साथ इसे नूडल्स के अंदाज में तैयार करें। मजा आ जाएगा। सफेद, गोल, स्पंजी, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन से भरी इडली में पूरे देश और रसोई में इतने फ्यूज़न हो रहे हैं कि सोचकर ही जीभ यमी-यमी हो जाएगी। हैरानी की बात ये है कि इडली ठेठ दक्षिण भारत की देन नहीं है। इसकी ऐतिहासिकता को लेकर बड़े तर्क-वितर्क हैं। खानपान इतिहासकारों के अनुसार, इडली साउथ इंडिया की ओर आने वाले अरब व्यापारियों की देन है या फिर ये इंडोनेशिया से यहां आई। उसके बाद हमारे रंग में ढलती चली गई।कर्नाटक और तमिलनाडु के छोटे गांव-कस्बों से लेकर बड़े शहरों में मौजूद छोटे आउटलेट से लेकर बड़े होटलों तक में इडली के बगैर ब्रेकफास्ट पूरा नहीं होता। साउथ इंडिया के लिए इडली किसी जीवन की तरह है। हालांकि नार्थ इंडिया में इडली की लोकप्रियता की कहानी 4-5 दशकों से ज्यादा की नहीं। साउथ इंडियन खाने आमतौर पर 70-80 के दशक में नार्थ की भी जुबान पर चढ़ने शुरू हुए। शुरू में दिल्ली के सरकारी ऑफिसों की कैंटीन और कैफे हाउस में जरूर उपलब्ध थे। हालांकि 80 के दशक के बाद साउथ खानपान परंपरा के रेस्टोरेंट भी दिल्ली और नार्थ इंडिया में खुलने लगे थे। सच्चाई ये भी है कि अगर इडली पूरी तरह से दक्षिण भारत की नहीं है। अलबत्ता ये बनी-संवरी, फली-फूली दक्षिण भारत की ही धरती पर। वैसे इडली के साथ दशकों से जो प्रयोग हुए, वो बताते हैं कि हम भारतीय अपने अंचल, सुविधा, पसंद और मसालों के अनुसार खानपान या व्यंजनों में खूब इनोवेशन करते रहे हैं। कुछ खानपान इतिहासकारों ने उल्लेख किया है कि दक्षिण भारत में सबसे पहले इडली लाने का श्रेय अरब व्यापारियों को जाता है। ये भी कि हम जिस इडली के परिचित हैं, वो कर्नाटक में 1250 ईस्वी में नमूदार हुई। खानपान इतिहासकार केटी अचाया का मानना है कि इडली असल में इंडोनेशिया के उस इलाके बाली से आई, जहां खाने को फर्मेंटेट करने का रिवाज रहा है। तब बाली में हिंदू राजाओं का राज था। दक्षिण भारत से भी अक्सर रसोइए वहां जाकर काम करते थे। वहां के राजाओं की रसोई में सबसे पहले स्टीम्ड इडली का आविष्कार हुआ। फिर रसोइए वहां से यहां लौटे तो इस रेसिपी को 800-1200 के बीच भारत ले आए। इस थ्योरी पर कुछ खानपान इतिहासकार सवाल भी उठाते हैं। उनका कहना है कि काहिरा की अल अजहर यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी में रखे दस्तावेज ये बताते हैं कि दक्षिण भारत में इडली अरब सौदागरों के जरिए ही लाई गई। खासकर उन अरब सौदागरों के जरिए जिन्होंने यहीं शादियां कीं, फिर बस गए। सबको मालूम है कि अरब व्यापारी देश के दक्षिणी हिस्से की ओर समुद्र मार्ग से आते थे। ये इस्लाम के उदय से पहले की बात भी हो सकती है। ये अरबी अपने खानपान को लेकर काफी सजग थे। उनमें से बहुत तो तब आए जबकि पैगंबर मुहम्मद जिंदा थे। इन सबने इस्लाम को स्वीकार कर लिया था। चूंकि वो हलाल खाना खाते थे। जब भारत में आकर खानपान करते थे तो इसकी शुचिता का ध्यान रखते थे। इसलिए वो राइस बॉल बनाते थे जो उन्हें तब अपने खाने का सबसे उम्दा विकल्प लगता था। इस बॉल को दबाकर चपटा कर देते थे। कोलिंघम और गार्डन रेमसे की एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फूड हिस्ट्री कहती है कि वो इसे नारियल की चटनी के साथ खाते थे। हावर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस से प्रकाशित हेसर चार्ल्स की किताब सीड टू सिविलाइजेशन, द स्टोरी ऑफ फूड में भी इसी तरह इडली के भारत में शुरू होने का जिक्र है। हालांकि इस इडली में लगातार बदलाव होता रहा।

कन्नड़ में 920 ईस्वी में लिखी गई किताब वडेराधाने में इडली का जिक्र इडालीग के तौर पर किया गया, जिसे काले चने को पीसकर बनाया जाता था। इसके बाद 1025 ईस्वी में चावुंदार्या द्वितीय की लिखी कन्नड़ एनसाइक्लोपीडिया लोकपकरा में इडली के बारे में लिखा गया कि कैसे इसे काले चने को पीसकर और मट्ठे के साथ पेस्ट बनाकर रख दिया जाता था, मसाले भी मिलाए जाते थे। मनोसोलास 1130 ईस्वी में लिखी गई, जिसमें इडली को संस्कृत नाम इडारिका के तौर पर संबोधित किया गया। साफ है भारत में पहले जो इडली जैसे व्यंजन बने, उसमें कई में चावल को बेस के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया गया। हालांकि गुजराती इतिहासकार मानते हैं कि इडली सौराष्ट्र की देन है।

नकली माल की बिक्री पर सख्त उपभोक्ता आयोग

नकली या जाली अथवा मिलावटी सामान बेचने पर अब दुकानदार को छह महीने से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है और उपभोक्ता को एक लाख रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक का मुआवजा मिल सकता है। सामान्य मामले में उपभोक्ता को एक लाख रुपये तक का मुआवजा मिलता है। अगर बेचे गए उत्पाद से उपभोक्ता को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान होता है तो विक्रेता को सात साल की जेल और उपभोक्ता को 5 लाख रुपये तक मुआवजा मिल सकता है। यही नहीं, अगर ऐसे सामान की वजह से उपभोक्ता की मौत हुई तो उसके परिजनों को 10 लाख रुपये तक मुआवजा मिल सकता है और विक्रेता को आजीवन कारावास की सजा मिल सकती है। नए कानून की परिधि में ऑनलाइन और टेलीशॉपिंग कंपनियों को पहली बार शामिल किया गया है। खाने-पीने की चीजों में मिलावट होने पर कंपनियों पर जुर्माना और जेल का प्रावधान किया गया है।

नए कानून के तहत कंज्यूमर मीडिएशन सेल का भी गठन ?किया गया है, जिसमें दोनों पक्ष आपसी सहमति से मीडिएशन सेल जा सकेंगे और आपसी सहमति से भी विवाद का निपटारा हो सकेगा। नए कानून के अंतर्गत जनहित याचिका भी अब जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अथवा राज्य आयोग या फिर राष्ट्रीय आयोग में भी दायर की जा सकेगी। जनहित याचिका का पहले के कानून में प्रावधान नहीं था। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में अब 50 लाख रुपये तक के केस दाखिल किये जाते हैं। राज्य उपभोक्ता आयोग में 50 लाख रुपये से अधिक व 2 करोड़ रुपये तक के केसों की सुनवाई होती है। जबकि राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में 2 करोड़ रुपये से ऊपर के केसों की सुनवाई होती है।

नए कानून में उपभोक्ता देश के किसी भी कंज्यूमर कोर्ट में जहां वह रह रहा है, मामला दर्ज करा सकता है, भले ही उसने सामान कहीं और से ही क्यों न लिया हो। आपसे यदि कोई दुकानदार खरीदे गए सामान का अधिक मूल्य वसूलता है, आपके साथ अनुचित बर्ताव करता है या फिर दोषपूर्ण वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री करता है, ऐसे हर मामले की सुनवाई करने का अधिकार उपभोक्ता अदालत को प्राप्त है।

नए उपभोक्ता संरक्षण कानून में भ्रमित करने वाले विज्ञापनों और उन विज्ञापनों को करने वाले सेलेब्रिटी पर भी सरकार ने नकेल कसी है। नए कानून में उपभोक्ताओं को भ्रामक विज्ञापन जारी करने पर भी कार्रवाई की जाती है। भ्रमित करने वाले विज्ञापनों के विरुद्ध धारा 2(28) के अंतर्गत कार्यवाही का प्रावधान किया गया है। भ्रमित करने वाले विज्ञापन पर धारा 21 के तहत केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण संबंधित कंपनी पर दस लाख तक का जुर्माना लगा सकता है। गंभीर मामलों में ये जुर्माना 50 लाख हो सकता है और पांच साल की जेल भी हो सकती है।

उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्रालय ने एडवरटाइजिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, इंडियन ब्रॉडकास्टिंग फाउंडेशन, ब्रॉडकास्टिंग कंटेंट कंप्लेंट्स काउंसिल, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन, एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड काउंसिल ऑफ इंडिया, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री आदि को भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम में सहयोग की अपील की है। कानूनन जिन उत्पादों के प्रचार-प्रसार पर प्रतिबंध है, ऐसे उत्पादों का किसी अन्य बहाने से प्रचार गैरकानूनी माना गया है। कई शराब के ब्रांड का म्यूजिक सीडी, क्लब सोडा और बोतलबंद पेय की आड़ में विज्ञापन किया जा रहा है। वहीं, गुटका और खैनी का इलायची की आड़ में प्रचार किया जाता है। इन भ्रामक विज्ञापनों के लिए ऐसे सेलिब्रिटी का इस्तेमाल कर रहे हैं जिसका युवाओं पर गलत प्रभाव पड़ता है। किसी विज्ञापन में उत्पाद को बढ़ा-चढ़ाकर बताना या उसकी आड़ में किसी अन्य वस्तु का प्रचार नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार ने विज्ञापनों को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हुए हैं।

हम अक्सर टेलीविजन पर ऐसे विज्ञापन देखते हैं, जो होता तो किसी खास उत्पाद के लिए लेकिन उसकी जगह पर कोई अन्य प्रोडक्ट दिखा दिया जाता है। जैसे आपने किसी शराब, तंबाकू या ऐसे ही किसी उत्पाद का विज्ञापन देखा होगा, जिसमें उत्पाद के बारे में सीधे नहीं बताते हुए उसे किसी दूसरे ऐसे ही उत्पाद या पूरी तरह अलग उत्पाद के तौर पर दिखाया जाता है। जैसे शराब बनाने वाली कंपनियां टेलीविजन पर विज्ञापन जारी करती हैं, लेकिन इनके विज्ञापन में शराब का जिक्र न होकर सोडा ड्रिंक या म्यूजिक सीडी का जिक्र होता है। क्योंकि टेलीविजन पर शराब, तंबाकू जैसे उत्पादों के विज्ञापन को सीधे तौर पर नहीं दिखाया जा सकता है। ऐसे उत्पाद के विज्ञापन के लिए दूसरे उत्पाद का सहारा लिया जाता है। ऐसे ही विज्ञापनों को सरोगेट विज्ञापन कहा जाता है। प्रतिबंधित विज्ञापनों को दिखाने के लिए सरोगेट विज्ञापन का इस्तेमाल होता है। ये ऐसे विज्ञापन होते हैं जिनके बारे में सीधे तौर पर नहीं बताया जाता है। सरोगेट विज्ञापन का एक चर्चित मामला अक्तूबर, 2021 में सामने आया था, जिसमें एक बॉलीवुड सुपरस्टार ऐसा ही एक विज्ञापन किया था। वह विज्ञापन एक पान मसाला कंपनी का था। सोशल मीडिया पर विवाद बढ़ने पर सुपर स्टार ने दावा किया था कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी कि यह सरोगेट विज्ञापन है। इसके बाद उन्होंने कंपनी को प्रमोशन फीस भी लौटा दी थी। जिसे सरोगेट विज्ञापन के विरुद्ध एक बड़ी सफलता माना जा सकता है जो उपभोक्ता के हित में है।

सेहत संवारने का अवसर भी है छुट्टियां

अपनों के साथ समय बिताने, दुनिया देखने और गांव घर जाने का अवकाश कही जाने वाली छुट्टियां सेहत भी संवारती हैं। मन को ठहराव और तन को विश्राम देने वाले फुरसत के पल कितनी ही स्वास्थ्य समस्याओं के लिए औषधि के समान हैं। भागदौड़ भरी ज़िंदगी में सालभर तो समय निकालना मुश्किल होता है पर बच्चों के समर वैशन में हर व्यस्तता को भूल छुट्टियां मनाने का मन बनाना जरूरी है। तन-मन की सेहत दुरुस्त करने वाली छुट्टियां हर मोर्चे पर स्फूर्ति और उत्साह देकर जाती हैं। सामाजिक-पारिवारिक सम्बन्धों के जुड़ाव से लेकर व्यक्तिगत रूप से खुद को समझने और खुलकर जीने का यह समय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए भी आवश्यक है। रोज़मर्रा की आपाधापी से परे खुशनुमा समय बिताने से तनाव में कमी आती है। भागती-दौड़ती जिंदगी में छुट्टियां एक सहज-सा ठहराव है। स्वयं अपने चुने फुर्सत के पल। भागमभाग से दूर मन का करने की दिनचर्या वाले दिन। बंधे-बंधाए रुटीन से अलग यह समय सुकून की सौगात साथ लाता है। अवकाश के दिनों में दिमाग शांत रहता है और मन स्थिर। ऐसी सभी बातें इंसान की मनःस्थिति पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। मन को खुशी देने वाले हार्मोन को बढ़ाती हैं। अध्ययन बताते हैं कि छुट्टियों में अच्छी नींद ले पाने के कारण भी तनाव कम होता है। कडलीनेस्ट डॉट कॉम के अनुसार छुट्टियां नींद की गुणवत्ता को करीब 17 फीसदी तक बढ़ा सकती हैं। जिससे तनाव ही नहीं अवसाद की स्थिति से भी बाहर आने में मदद मिलती है। स्वीडन के विशेषज्ञों ने एक अध्ययन में पाया है कि काम से छुट्टी न लेने वाले लोगों ने उन लोगों की तुलना में ज्यादा एंटीडिप्रेसेंट दवाओं का सेवन किया, जो कामकाजी व्यस्तता को छोड़ छुट्टी बिताने गए। छुट्टियों में आप गांव-घर जाएं या देश-विदेश में दर्शनीय स्थलों की सैर करने, अवकाश के समय की हर एक्टिविटी, हर योजना मन को रोमांच से भर देती है। कुछ समय के

लिए हर आपाधापी से दूर रहना एक अलग ही अनुभव होता है। परिवारजनों के साथ छुट्टियां बिताते हुए मिला अपनों का स्नेह-साथ हो या किसी नई जगह को देखने-जानने का अनुभव- सब कुछ मन को खुशी देने वाला होता है। नई स्मृतियां संजोने का सुख हमारे हिस्से आता है। तन-मन में स्फूर्ति और सक्रियता आती है। यूके में हुई फैमिली हॉलीडे एसोसिएशन की एक रिसर्च में शामिल 49 फीसदी लोगों के मुताबिक, उनकी सबसे सुखद स्मृति अपने परिवार के साथ बिताई छुट्टियों की थी। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से एक चौथाई ने यह भी माना कि तकलीफदेह समय से बचने के लिए उन्होंने इन सुखद स्मृतियों को याद किया। समझना मुश्किल नहीं कि थका-सा मन व जीवन सबसे ज्यादा दिल की सेहत खराब करता है। हर पल की चिंता और काम का दबाव हृदय रोग की संभावना कई गुना बढ़ा देते हैं। पीड़ादायी परिस्थितियों की भावनात्मक टूटन भी दिल के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है। ऐसे में अपनेपन का अहसास, खुशमिजाज परिवेश और नयेपन का रोमांच दिल को दुरुस्त रखने का काम करता है । बच्चे हों या बड़े, छुट्टियां सभी को रचनात्मक बनाती हैं। एक तयशुदा टाइम टेबल से अलग कुछ सोचने, समझने और जीने का अवसर देती हैं। एक ओर किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन की संस्कृति, वहां के लोगों की जीवनशैली, खानपान और भाषा को जानना मन-मस्तिष्क को रचनात्मक बनाता है तो दूसरी ओर गांव-घर की छुट्टियां अपनी ही भूली-बिसरी जीवनशैली को याद दिलाती हैं। घर में बड़ों की जीवनशैली के रंग-ढंग और कम से कम संसाधनों में जीने के लिए अपनाये जाने वाले कलात्मक और कल्पनाशील तौर-तरीके सोच को सकारात्मक दिशा देते हैं। कई अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि रचनात्मकता हर रूप में सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाती है। जिसके चलते क्रिएटिविटी का मानसिक स्वास्थ्य से सीधा संबंध है। क्रिएटिविटी इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है। छुट्टियों में कुछ नया सीखना और रचनात्मक एक्टिविटीज़ से जुड़ना भी मन का मौसम बदलता है। एक अमेरिकी अध्ययन के मुताबिक़ छुट्टियों के बाद सर्वेक्षण में शामिल लोग कम चिंता और बेहतर मूड में दिखे। ऐसे में छुट्टियां अपनेपन को पोसने के लिए ही नहीं, स्वास्थ्य सहेजने के लिए भी आवश्यक हैं।

जीवनशैली के जरिये लिवर की संभाल

लिवर का शरीर में पाचन क्रिया नियंत्रण, ऊर्जा प्रदान करने और इम्यूनिटी बढ़ाने में अहम योगदान है। इसकी प्रक्रिया गड़बड़ा जाये तो रोग घेर लेते हैं। लेकिन जीवनशैली में व्यायाम व संतुलित खानपान शामिल कर लें तो लिवर स्वस्थ रहता है। इस विषय पर गेस्ट्रोइंट्रोलॉजिस्ट, जीबी पंत अस्पताल, दिल्ली डॉ. लोकेश नाथ झासे बातचीत हुई। पेट के दाहिनी ओर स्थित लिवर हमारे शरीर का दूसरा बड़ा और महत्वपूर्ण अंग है। लगभग डेढ़ किग्रा वजनी और 15 सेमी लंबे लिवर को शरीर का इंजन भी कहा जाता है। शरीर की चयापचय प्रक्रिया को नियंत्रित करने में लिवर की महत्वपूर्ण भूमिका है। हम जो भी खाते-पीते हैं, वह लिवर से होकर ही पाचन प्रक्रिया के लिए आंतों में पहुंचता है। लिवर पित्त द्रव (बाइल फ्ल्यूड) का निर्माण करता है जो भोजन पचाने और पोषक तत्वों के अवशोषण में मदद करता है। कार्बोहाइड्रेट, ग्लूकोज और फैट के संचयन के कारण यह बैटरी का काम करता है। शरीर को काम करने की एनर्जी देता है, शारीरिक गतिविधियों को सुचारू चलाने में मदद करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है। लिवर रक्त को फिल्टर कर विषाक्त पदार्थ बाहर निकालता है और शरीर को डिटॉक्स करता है। शरीर में प्रोटीन का निर्माण कर खून के थक्के बनने की प्रक्रिया बढ़ाता है। लेकिन कई वजह से लिवर संक्रमित हो जाता है। यह ठीक से काम नहीं कर पाता, चयापचय प्रक्रिया गड़बड़ा जाती है। पाचन समस्याएं होने लगती हैं जैसे- गैस बनना, पेट में दर्द, सूजन, अपच, एसिडिटी, भूख न लगना। इसके असर से थकान, कमजोरी, पीलिया, यूरिन का रंग पीला पड़ना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। अनदेखी करने पर लिवर संक्रमण बढ़ जाता है और लिवर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है जैसे- हैपेटाइटिस, फैटी लीवर, लीवर सिरोसिस, लीवर कैंसर। इन घातक बीमारियों का समुचित उपचार न किए जाने पर लिवर डैमेज या लिवर फेल्योर की स्थिति आ जाती है, जिसका एकमात्र इलाज लिवर ट्रांसप्लांट होता है। दरअसल असंतुलित खान-पान और रहन-सहन के गलत तौर-तरीकों का असर लिवर पर पड़ता है। इनमें ज्यादा नमक व मसाले वाला भोजन, फास्ट फूड, जंक-ऑयली फूड का सेवन अधिक करना शामिल है वहीं दूषित पानी और भोजन, एल्कोहल आदि नशीली चीजें भी ठीक नहीं। ज्यादा धूम्रपान भी लीवर को नुकसान पहुंचाता है। व्यायाम में कोताही बरतने से बढ़ा मोटापा, पाचन संबंधी बीमारियों को नजरअंदाज करना, बिना डॉक्टरी सलाह के दवाइयां खाना भी लीवर खराब करते हैं।

शरीर के लिए फायदेमंद होता है कम कपड़ों या बिना कपड़ों के सोना

थके हुए दिन के बाद रात को व्यक्ति चैन की नींद सोना चाहता है। आराम की नींद लेने के लिए व्यक्ति हल्के कपड़े पहनता है। आजकल नाइट सूट और गाउन का फैशन है जिसे पहनने के बाद चैन की नींद आती है। हालांकि फिर भी कई लोग होते हैं जो सुबह उठते ही कहते हैं कि रात को सही तरीके से नींद नहीं आई। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो बेहद कम कपड़ों या बिना कपड़ों के सोना पसन्द करते हैं। बेशक पढने या सुनने में आपको यह अजीब लगे लेकिन सच में न्यूड सोना यानी कि बिना कोई वस्त्र पहने सोना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। बड़े-बड़े वैज्ञानिक चिकित्सकों ने यह दावा किया है कि वस्त्र पहनकर सोने की तुलना में बिना कोई कपड़ा पहने सोने से अधिक लाभ होता है। आइए डालते हैं एक नजर बिना कपड़ों के सोने से होने वाले फायदों पर–त्वचा को मिलती है सांसरात को कम कपड़ों या बिना कपड़ों के सोने से आपकी त्वचा को खुलकर सांस मिलती है। इससे त्वचा सुन्दर हो जाती है। इस तरह सोने से शरीर में हार्मोन्स का विकास होता है, जिससे त्वचा मुलायम हो जाती है।तनाव और थकान होती है दूरयदि पति-पत्नी दोनों ही बिना वस्त्र पहने सोते हैं तो रातभर बिस्तर पर सोते समय उन दोनों के शरीर एक-दूसरे के सम्पर्क में आते हैं। इससे दोनों की

त्वचा को एक-दूसरे का स्पर्श मिलता है। चिकित्सिकों के अनुसार ऐसा होने से शरीर से ऑक्सीटॉसिन नामक हार्मोन निकलता है। इस हार्मोन के निकलने से तनाव और थकान दोनों दूर हो जाते हैं और ब्लड प्रेशर भी नियंत्रण में रहता है। तनाव की वजह से आदमी का मन ज्यादा फास्टफूड खाने को करता है लेकिन जब आप अच्छी नींद लेते हैं तो आपका तनाव बढ़ाने वाला केमिकल कोलेस्ट्राल घट जाता है। इसलिए कपड़े उतारकर अच्छी नींद ले।गुप्तांगों में पैदा नहीं होते बैक्टीरियापुरूषों के लिए, ठंडे स्थान पर सोना हमारे अंडकोषों को ठंडा रखने में मदद करता है। जिससे हमारे शुक्राणु बढ़ते हैं। महिलाओं के लिए, गर्मी या पसीने में बैक्टीरिया ज्यादा पनपते है। बिना कपड़ों के सोने से हमारी त्वचा सांस लेती रहती है जिससे महिलाओं की योनि में बैक्टीरिया पैदा नहीं होते।कम होता है वजनसोते समय कपड़े न पहनने से शरीर का मेटाबोलिज्म तेज होता है और इससे गर्दन में ब्राउन फैट बढ़ता है। इस तरह के फैट से शरीर की कैलोरी बर्न होती है और आपका वजन कम होता है।देर से आता है बुढ़ापानंगे सोने वाले आदमी जल्दी से बूढ़े नही होते, बजाय उनके जो कपड़े पहनकर सोते है।बदलता है शरीर का तापमानरात को टाइट कपड़े या ज्यादा कपड़े पहन कर सोने से आपके शरीर का तापमान बदल जाता है। इससे आपको बेचैनी होने के कारण नींद नही आती। इसकी बजाए बिना कपड़ो के सोने से आपके शरीर को आराम मिलता है और नींद में अच्छी आती है।

प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू की पुण्यतिथि 27 को

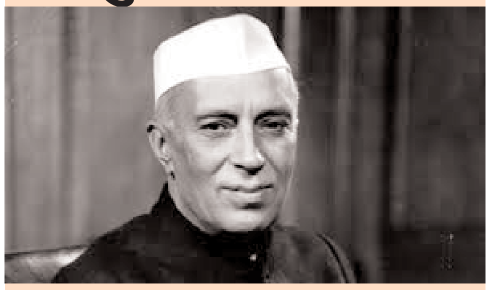

ग्वालियर । शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि 27 मई को देश के प्रथम प्रधानमंत्री प. जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कम्पू स्थित नेहरू उद्यान में नेहरू जी की प्रतिमा पर प्रातः 9 शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। पुण्यतिथि कार्यक्रम में पूर्व मंत्री, विधायक, मप्र कांग्रेस, जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, मंडलम कांग्रेस, सेक्टर कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई, विभाग प्रकोष्ठ सहित समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

ग्वालियर को यूनेस्को से सिटी ऑफ म्यूजिक घोषित कराने को लेकर हुई अहम बैठक

ग्वालियर। संगीत की नगरी ग्वालियर को यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) से ÷सिटी ऑफ म्यूजिक÷ घोषित कराने के सिलसिले में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के तत्वावधान में अहम बैठक हुई। जिसमें यूनेस्को को भेजे जाने वाले डोजियर (प्रस्ताव) के संबंध में शहर के संगीत ङ्क कला मर्मज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क से संबंधित स्टेक होल्डर ने उपयोगी सुझाव दिए। भारत सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना को ग्वालियर में मूर्तरूप देने के संबंध में भी इस बैठक में जानकारी दी गई। ज्ञात हो राज्य शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा ग्वालियर शहर को यूनेस्को से म्यूजिक सिटी घोषित कराने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के चार शहरों ग्वालियर, इंदौर, भोपाल व चंदेरी में यूनेस्को के मापदण्डों के आधार पर कराए गए अध्ययन के बाद ग्वालियर का चयन क्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिक के लिये किया गया है और यूनेस्को के लिये डोजियर तैयार कराया जा रहा है। गुरूवार को यहाँ तानसेन रेसीडेंसी में महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार व संभाग आयुक्त दीपक सिंह की मौजूदगी में आयोजित हुई इस बैठक में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य चितरंजन ज्योतिषी, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक विवेक श्रोत्रिय, नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नीतू सिंह, आईआईटीटीएम के निदेशक आलोक

शर्मा, रंगकर्मी अशोक आनंद, ध्रुपद गुरू श्री अभिजीत सुखदाणे, संगीत साधक उमेश कम्पूवाले, डॉ. केशव पाण्डे, शास्त्रीय नृत्यांगना सुश्री निशा शर्मा समेत शहर के अन्य संगीत-कला मर्मज्ञ व यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क से संबंधित स्टेक होल्डर एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के सदस्यगण मौजूद थे। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि ग्वालियर ऐतिहासिक धरोहरों व संगीत कला के क्षेत्र में समृद्ध नगरी है। ग्वालियर को सिटी ऑफ म्यूजिक घोषित कराने के लिये यूनेस्को को भेजे जा रहे प्रस्ताव में आज की बैठक में मिले सुझावों को शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हम सभी के साझा प्रयासों से निश्चित ही ग्वालियर शहर विश्व भर में म्यूजिक सिटी के रूप में विख्यात होगा। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने कहा खुशी की बात है कि राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा ग्वालियर को म्यूजिक सिटी घोषित कराने की पहल की गई है। उन्होंने कहा म्यूजिक सिटी घोषित होने पर ग्वालियर की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टूरिस्ट सेंटर के रूप में पहचान स्थापित होगी। उन्होंने कहा यूनेस्को को भेजे जा रहे डोजियर के लिये शहर के संगीत कला मर्मज्ञ लिखित में भी सुझाव दे सकते हैं। उन सभी सुझावों के आधार पर यूनेस्को के लिये प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जायेगा। संभाग आयुक्त ने कहा कि स्वदेश दर्शन-2 योजना में भी ग्वालियर शामिल है। इससे ग्वालियर के पर्यटन स्थलों का अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकास किया जायेगा। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य चितरंजन ज्योतिषी ने कहा कि ग्वालियर की सांगीतिक परंपरा अत्यंत समृद्धशाली है। इन परंपराओं को वर्तमान में सिंचित कर फिर से गरिमामयी व गौरवशाली बनाने के लिये साझा प्रयास जरूरी है। उन्होंने संगीत एवं कला के आश्रयदाता राजा मानसिंह तोमर जैसे मूर्धन्य कला मर्मज्ञों की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि ग्वालियर को शहर की कला व संस्कृति को साझा प्रयासों से आगे ब?ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि कला व संस्कृति से पर्यटन को ब?ावा मिलता है। इस बात को ध्यान में रखकर स्वदेश दर्शन-2 योजना के तहत ग्वालियर में पर्यटन स्थलों का विकास कराया जायेगा।

प्रभारी मंत्री अचानक पहुंचे बस स्टैंड, देखी दीनदयाल रसोई और रैन बसेरा

ग्वालियर। प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट आज सुबह ग्वालियर प्रवास के दौरान अचानक बस स्टैंड पहुंच गए और बस स्टैंड पर साफ सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके साथ ही बस स्टैंड पर स्थित दीनदयाल रसोई तथा रेन बसेरा आश्रय स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।प्रभारी मंत्री सिलावट ने दीनदयाल रसोई का निरीक्षण किया एवं भोजन की गुणवत्ता को परखा

तथा साफ सफाई का विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित कर्मचारियों को दिए। इसके साथ ही बस स्टैंड पर स्थित रैन बसेरा का निरीक्षण किया और वहां रह रहे यात्रियों से चर्चा की। प्रभारी मंत्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रैन बसेरा एवं आश्रय स्थल पर तकिया एवं चादर नए व साफ सुधरे होने चाहिए। इसके साथ ही जो पंखे खराब है उन्हें तत्काल बदल बाएं और पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था करें। इसके साथ ही आना आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

जन आकांक्षाओं के अनुरूप क्षेत्र के विकास और प्रगति को गति दी जायेगी : डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर जारी है और जनता की मांग पर आगे विकास कार्य होते रहेगें। क्षेत्र का विकास, प्रगति व जनता को मूलभूत सुविधायें समय पर मिलती रहे मेरा हमेशा यही प्रयास रहा है और आगे भी रहेगा। यह बात आज 16 ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड 57 में रोशनी घर रोड, विजय सतम्भ रोड, सभापति बंगले वाली रोड का डामरीकरण निर्माण के लिये भूमिपूजन कार्यक्रम में कही। भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि इस डामरीकरण रोड निर्माण से क्षेत्र की जनता की समस्या का समाधान होगा। उन्होने कहा कि क्षेत्रीय जनता की कोई भी समस्या मेरे सामने आयेगी उसे तत्परता से हल करवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्य निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है। हम सब का लक्ष्य क्षेत्र का विकास और प्रगति है। इसी मूल मंत्र के साथ जनसेवा करते हुए विकास कार्यों को गति प्रदान करते रहेगें। क्षेत्रीय नागरिकों ने इस अवसर पर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं अन्य अतिथियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया और विधायक ने लोगों की अन्य समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिए। भूमिपूजन कार्यक्रम में संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव, क्षेत्रीय पार्षद एवं एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, अनूप शिवहरे, प्रमोद जैन, मनीश अग्रवाल, विजय बहादुर त्यागी, पार्षद सुरेन्द्र साहू, अंकित कठठ्ल, अनिल शर्मा 'बिट्टू', टिन्कू परिहार, ओमप्रकाश चौहान, गोविन्द थौराठ, हिमांशु कीकन आदि मौजूद रहे।

29 मई से 30 जून तक आयोजित होगा समर मेला, खान-पान की लगेंगी दुकानें, बच्चे उठा सकेंगे झूलों का आनंद

ग्वालियर शहरवासियों के लिये एक अच्छी खबर है। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा 29 मई से 30 जून तक समर मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में शहरवासियों के लिये खान-पान के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जायेगा। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समर मेले के आयोजन के संबंध में एक बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।ग्वालियर संभाग आयुक्त दीपक सिंह ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा समर मेले का आयोजन व्यवस्थित रूप से किया जाए। मेले में साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधन हों। दुकानदारों से साफ-सफाई और पुलिस वेलफेयर के लिये भी राशि ली जाए। उन्होंने कहा कि अग्नि दुर्घटना की संभावनाओं को देखते हुए सभी दुकानों पर अग्नि दुर्घटना से बचाव के लिये आवश्यक उपकरण उपलब्ध रहें, यह भी सुनिश्चित किया जाए।संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए कि झूला सेक्टर में लगने वाले झूलों के लिये सुरक्षा की सभी जाँचें अनिवार्य रूप से कराई जाएं। मेला स्थल पर नगर निगम के माध्यम से फायर ब्रिगेड की उपलब्धता हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। मेले में स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग किसी भी स्थिति में न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। हर दुकानदार की दुकान के बाहर डस्टबिन रखवाना सुनिश्चित किया जाए।ग्वालियर आई जी (एडीजीपी) डी श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि समर मेले के दौरान आने वाले सैलानियों के लिये बेहतर पार्किंग

व्यवस्था हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। मेले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान भी सुरक्षा और पार्किंग के प्रबंधन अच्छे से किए जाएँ।कलेक्टर ग्वालियर अक्षय कुमार सिंह ने बैठक में कहा कि मेला प्राधिकरण मुख्य मेला, समर मेला आयोजन के साथ-साथ वर्ष भर गतिविधियाँ आयोजित करे। इसके लिये वार्षिक कैलेण्डर तैयार करे ताकि ग्वालियर व्यापार मेले में वर्ष भर गतिविधियाँ आयोजित हो सकें। मेला प्राधिकरण मेला परिसर में रंगाई-पुताई के साथ-साथ साफ-सफाई पर भी नियमित ध्यान दें। उन्होंने कहा कि समर मेले के दौरान भी स्थानीय कलाकारों के माध्यम से बेहतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। मेले के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी मेला प्राधिकरण विशेष ध्यान दे।नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने कहा कि समर मेले के दौरान और उसके बाद भी नगर निगम के माध्यम से साफ-सफाई के विशेष प्रयास किए जायेंगे। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में ग्वालियर को बेहतर रैंकिंग मिले, इसके लिये स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से समर मेले में भी निगम के माध्यम से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगीं।बैठक के प्रारंभ में मेला सचिव ने समर मेले के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के सभाकक्ष में समर मेले के लिये आयोजित बैठक में एडीजीपी डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल, नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, एडीएम एच बी शर्मा, एसडीएम अशोक चौहान, अपर आयुक्त नगर निगम विजय राज, मेला सचिव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश के द्वारा ग्वालियर महानगर की कार्यकारिणी का किया विस्तार

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश एवं सम्भागीय पदाधिकारियों की सहमति से जिलाध्यक्ष ग्वालियर महानगर वीरसिंह विश्वकर्मा जी की अनुशंसा पर ग्वालियर महानगर की कार्यकारिणी की घोषणा की गई.. जिसमें
पवन विश्वकर्मा (पत्रकार)जी को जिला मीडिया प्रभारी ग्वा. महानगर
...रबी विश्वकर्मा(मार्केटिंग व्यापारी) जी को जिला सचिव ग्वा.महानगर ,,,
अजय विश्वकर्मा जी को जिला सह सचिव ग्वा महानगर, की जुमेदारी दी संगठन आशा करता है की यह जिम्मेदारी निभाएंगे उस पर खरे उतरेंगे
और समाज के वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ताओं ने सामाजिक विषय पर चर्चा हुई ...
पवन विश्वकर्मा (पत्रकार)6 मार्केटिंग डीलर 8जी का जन्मदिन विश्वकर्मा जन संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच गुड़ी पर। स्तित विश्वकर्मा भगवान मंदिर पर मनाया गया जिसमें उपस्थित रहे संगठन के जनसेवक कार्यकर्ता
प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ. बेताल विश्वकर्मा जी,
जिला अध्यक्ष वीर सिंह विश्वकर्मा जी,
श्री रमेश विश्वकर्मा जी (वरिष्ठ समाजसेवी)
मोनू विश्वकर्मा (ठेकेदार) (जिला उपाध्यक्ष ग्वा)
घनश्याम विश्वकर्मा जी(जिला उपाध्यक्ष)
टिंकू विश्वकर्मा जी जिला महासचिव
राजेंद्र विश्वकर्मा जी (जिला कोषाध्यक्ष) ग्वा.महानगर
रामनारायण (राजू) विश्वकर्मा जी (सचिव ग्वा.महानगर)
गोपी विश्वकर्मा जी
इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकसभा हार का ग्रहण हटाने विधानसभा में उतरेंगे अशोक सिंह, ग्रामीण से उम्मीदवारी

ग्वालियर/भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह अबकी बार विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। वह संभवतः ग्रामीण से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि वह चार बार लोकसभा चुनाव लड़े है और चारों बार उन्हें हार का सामना भाजपा प्रत्याशियों से करना पड़ा था। इसलिये उनके शुभचिंतक मित्रों ने उन्हें सलाह दी है कि वह लोकसभा चुनाव में हार का दाग मिटाने के लिये विधानसभा चुनाव लड़े, ताकि उनकी जीत की शुरूआत हो सकें और हार का ग्रहण हट सकें।सूत्रों के मुताबिक हालांकि पहले अशोक सिंह विधानसभा चुनाव लड़ने के मूड में नहीं थे वह लोकसभा चुनाव ही लड़ना चाहते थे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने उन्हें इस बात के लिये राजी कर लिया है कि वह लोकसभा की जगह फिलहाल ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा लड़े और कांग्रेस के संख्या बल में सहयोग दें। हालांकि कमलनाथ व दिग्विजय सिंह ने उन्हें यह भी कहा है कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद उन्हें फिर से उनकी इच्छा पर पार्टी लोकसभा भी लड़वा देगी।इधर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह व अन्य कांग्रेस नेताओं से हरी झंडी के बाद अशोक सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र में अपनी सक्रियता बड़ा दी है वह लगातार कांग्रेस व अंचल के लोगों के साथ सक्रिय हैं। उन्होंने अपने निवास क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी अघोषित चुनाव कार्यालय भी खोल दिये हैं। जहां कार्यकर्ताओं व आम जनता से मेल मुलाकात के दौर जारी हैं। बीते दिवस अजय सिंह राहुल भैया ने भी उनके निवास

पहुंचकर टिप्स दिये और सभी कांग्रेसियों से एकजुट हो जाने का आग्रह किया।यहां बता दें कि अशोक सिंह के भाग्य में अभी तक लोकसभा जीत नहीं लिखी थी। इसी कारण वह चार लोकसभा चुनाव में पराजय देख चुके हैं। अब वह अपनी हार का ग्रहण हटाने के लिये विधानसभा चुनाव 2023 से नई पारी की शुरूआत करेंगे। वह 2007, 2009, 2014 और 2019 में चुनाव लड़कर पराजित हो चुके हैं। कांग्रेस नेता अशोक सिंह ने स्पष्ट कहा कि वह कांग्रेस आलाकमान के कहने पर विधानसभा चुनाव में उतरेंगे और उनकी चुनावी तैयारियां शुरू भी हो गई हैं। मुझे कार्यकर्ताओं व आम जनता का अपार स्नेह भी मिल रहा है।

खुशियों की दास्तां : वीरेन्द्र बोले अब हमें शर्मिंदगी नहीं झेलनी पड़ेगी

ग्वालियर। अवैध कॉलोनियों के निवासियों को तमाम सुविधाओं से वंचित तो रहना ही पड़ता है, साथ ही उन्हें अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता। वीरेन्द्र सिंह यादव बताते हैं कि अवैध कॉलोनी में निवास होने की वजह से शासकीय दफ्तरों व बैंकों में कई बार हमें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। पर प्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अब हम सबकी ये परेशानी दूर कर दी है। ग्वालियर शहर की न्यू पवनसुत कॉलोनी निवासी वीरेन्द्र सिंह यादव बताते हैं कि अवैध कॉलोनियों के निवासी जब नगर निगम में घर का नक्शा पास कराने और बैंक में होम लोन की आस में पहुँचते तो निराशा हाथ लगती। सिरे से हमारी मांग खारिज कर दी जाती कि आप की कॉलोनी अवैध है, यह काम कदापि नहीं हो सकता। पास में खड़े शहर की विकसित कॉलोनियों के लोग हमें हेय दृष्टि से देखते थे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हम सबकी समस्याओं को बड़ी संजीदगी से लिया और अवैध कॉलोनियों को वैध कर हमारी परेशानी चुटकी में हल कर दी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा गत 23 मई को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के जरिए प्रदेश भर के शहरों की अवैध कॉलोनियों को नियमितीकरण एवं भवन अनुज्ञा प्रदान करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर ग्वालियर शहर के बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में वीरेन्द्र सिंह यादव भी पहुँचे थे। उन्हें जब पता चला कि उनकी कॉलोनी वैध हो गई है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने वैध कॉलोनी का प्रमाण-पत्र दिखाकर अपनी खुशियाँ साझा कीं। खुशी से गदगद वीरेन्द्र यादव ने समस्त पवनसुत कॉलोनीवासियों की ओर से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्वालियर शहर की 400 से अधिक कॉलोनियों को सरकार वैध करने जा रही है। इससे इन कॉलोनियों में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478